खास बात

धन तभी तक धन है जब वह किसी उद्योग उपयोग में लगा रहे अन्यथा उसमें और कूड़े करकट में क्या अन्तर ।

-श्रीराम शर्मा

।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 22 अंक - 234

नर्मदापुरम

बुधवार, 10 जून 2026

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

नटराजन के नामांकन पर भोपाल से दिल्ली तक हंगामा: चुनाव आयोग पहुंची कांग्रेस

भाजपा की आपत्ति के बाद मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन खारिज, सूचना छिपाने का आरोप

नामांकन निरस्त होने के बाद विधानसभा परिसर में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया

भाजपा ने लोकतंत्र के साथ जो कुकृत्य किया है, उसे पूरा देश देख रहा है। इसी के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने 'भाजपा के चुनाव आयोग' कार्यालय के बाहर धरना दिया।

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश की तीसरी राज्यसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद भोपाल से दिल्ली तक सियासी बवाल मच गया। विधानसभा परिसर से लेकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय तक कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया, नारेबाजी की और भाजपा पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाया। वहीं दिल्ली में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के नेतृत्व में चुनाव आयोग पहुंचा। भाजपा की ओर से दर्ज कराई गई आपत्ति पर मंगलवार को रिटर्निंग ऑफिसर ने मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त कर दिया। इसके बाद राज्यसभा चुनाव का पूरा समीकरण बदल गया है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक अब भाजपा के तीनों उम्मीदवारों का राज्यसभा पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है।

नामांकन निरस्त होने के बाद विधानसभा परिसर में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। सुनवाई के दौरान कांग्रेस और भाजपा नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष के बाहर दोनों दलों के समर्थकों ने नारेबाजी की, जिससे माहौल काफी गर्म रहा। बाद में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में भी नेताओं ने बैठक कर फैसले के खिलाफ रणनीति बनाई। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव बनाकर उनकी उम्मीदवार का नामांकन रद्द कराया गया है।

दिल्ली में चुनाव आयोग पहुंचा प्रतिनिधिमंडल– मामले को लेकर कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर भी मोर्चा खोल दिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के नेतृत्व में पार्टी का प्रतिनिधिमंडल भारत निर्वाचन आयोग पहुंचा और मामले में हस्तक्षेप की मांग की।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि नामांकन निरस्त करने का फैसला कानूनी रूप से गलत है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की भावना के विपरीत है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विवेक तंखा ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। तंखा ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। उन्हें केवल एक नोटिस जारी किया गया था, जिसमें पूछा गया था कि उनके और अन्य लोगों के खिलाफ 10 करोड़ रुपये के मुआवजे की कार्रवाई क्यों न की जाए। इस नोटिस का जवाब उनके वकील की ओर से अदालत में पहले ही दिया जा चुका है।

भाजपा की आपत्ति के बाद बढ़ा विवाद

भाजपा की ओर से प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी ने रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई थी। भाजपा का आरोप था कि हैदराबाद की अदालत में लंबित मामले की जानकारी नामांकन पत्र और शपथ पत्र में नहीं दी गई। भाजपा नेताओं का कहना था कि उम्मीदवार को अपने खिलाफ लंबित मामलों की पूरी जानकारी देना अनिवार्य है। इसी आधार पर नामांकन रद्द करने की मांग की गई थी।

षड्यंत्र के लिए जीतू पटवारी जनता से मांफी मांगे और अपने पद से त्याग पत्र दें : डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने मध्यप्रदेश के राज्यसभा चुनाव में भाजपा के तीनों प्रत्याशियों के नामांकन पत्र सही पाए जाने पर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश से भाजपा के तीनों राज्यसभा प्रत्याशियों के नामांमन सही पाए गए हैं। कांग्रेस पार्टी और मध्यप्रदेश से राज्यसभा में उनकी प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन ने षड्यंत्र पूर्वक आपराधिक प्रकरण छिपाया है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में चुनाव के दौरान अपने आपराधिक प्रकरण को छिपाना पाप है। कांग्रेस पार्टी ने आपराधिक प्रकरण की जानकारी मध्यप्रदेश की जनता से छिपाने के लिए षड्यंत्र रचा और नामांमन फार्म में गलत जानकारी दी। लगता है राज्यसभा के चुनाव में हार के भय से कांग्रेस प्रत्याशी ने गलत फार्म भरा है, क्योंकि पहले भी उनके प्रत्याशी इंदौर लोकसभा चुनाव में मैदान छोड़ चुके हैं। यह भाजपा की संगठन शक्ति की ताकत है। नामांमन-पत्र में षड्यंत्र पूर्वक अपराध की जानकारी छिपाने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी प्रदेश की जनता से मांफी मांगें और अपने पद से इस्तीफा दें।

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल बेमिसाल

केंद्रीय मंत्रियों ने गिनाई उपलब्धियां, की 'विकसित भारत' के विजन की सराहना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पीएम मोदी ने आजाद भारत में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर बने रहने के पंडित जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड को तोड़कर देश के सबसे लंबे कार्यकाल तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं। 9 जून 2024 को ही उन्होंने एनडीए के तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और आज उनके सत्ता में रहने के 12 साल भी पूरे हो रहे हैं। पीएम मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और आज 9 जून 2026 तक उनके कार्यकाल के 4,398 दिन पूरे हो रहे हैं।

इसी कड़ी में, केंद्रीय मंत्रियों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल की सराहना करते हुए कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे, वित्तीय समावेशन और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में हासिल उपलब्धियों को रेखांकित किया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा करते हुए मंत्रियों ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, जनकल्याण और नागरिक-केंद्रित शासन के एक नए युग में प्रवेश किया है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इस अवधि में भारत ने सेवा, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं।

उन्होंने कहा, 'गरीब कल्याण से लेकर महिला सशक्तिकरण तक, किसान कल्याण से लेकर युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने तक, आधुनिक बुनियादी ढांचे से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा तक, सेवा के इन 12 वर्षों ने हर क्षेत्र में परिवर्तन, प्रगति और आत्मविश्वास की नई कहानी लिखी है।'

गोयल ने विभिन्न क्षेत्रों में सरकार की उपलब्धियों को दर्शाने वाला एक इन्फोग्राफिक भी साझा किया। उनके अनुसार, देश में हर महीने 81 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक घरों को मंजूरी दी जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए 32 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं और 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों के जरिए ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाया गया है।

सरकार का मूल मंत्र 'जन सेवा से जन शक्ति' : निर्मला

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में मोदी सरकार का मूल मंत्र 'जन सेवा से जन शक्ति' रहा है। उन्होंने कहा, 'हर पहल का उद्देश्य समावेशन, नवाचार और अवसरों के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाना रहा है।' वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री जन धन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं और इनमें जमा राशि लगभग 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है।

140 करोड़ भारतीयों का विश्वास ही देश की सबसे बड़ी ताकत : सिंधिया

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती पहचान जैसे क्षेत्रों में देश नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों का विश्वास ही देश की सबसे बड़ी ताकत है और यही 'विकसित भारत' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने की प्रेरणा है।

अंतर्मना उवाच

पैंतीस और सैंतीस कभी साथ नहीं रह सकते.. क्योंकि दोनों के बीच छत्तीस का आँकड़ा है..! मैं ज़िंदा हूँ...

एक किसी बड़े समारोह में, जहाँ कई मशहूर हस्तियाँ मौजूद थीं, ***एक बुज़ुर्ग महिला*** *छड़ी के सहारे मंच पर आईं और अपनी सीट पर बैठ गईं।*

होस्ट ने पूछा *– क्या आप आज भी डॉक्टर के पास अक्सर जाती हैं..?*

बुज़ुर्ग महिला मुस्कराकर बोलीं *– हाँ, मैं तो अक्सर जाती हूँ!*

होस्ट ने पूछा *– क्यों..?*

बुज़ुर्ग महिला हँसते हुए बोलीं *– मरीज़ों को डॉक्टर के पास जाना चाहिए,* ***तभी तो डॉक्टर ज़िंदा रहेगा..!***

उस बुज़ुर्ग महिला की हाजिर जवाबी पर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा।

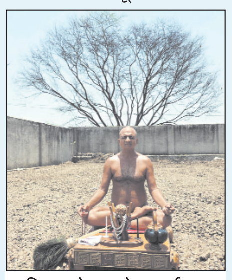

अतिशय क्षेत्र वागोल पार्श्वनाथ जी, जिला, बाँसवाड़ा (राज)। कडक धूप, भीषण गर्मी, 42डिग्री तापमान में 60 मिनिट का उत्कृष्ठ तप करते तपस्वी सम्राट अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज

फिर होस्ट ने पूछा *– तो क्या आप फार्मासिस्ट के पास भी जाती हैं..?*

बुज़ुर्ग महिला बोलीं *– ज़रूर! क्योंकि* ***फार्मासिस्ट को भी तो जीना है..!***

अबकी बार और ज्यादा तालियां बजी।

होस्ट ने हँसते हुए पूछा *– तो क्या आप फार्मासिस्ट की दी हुई दवाइयाँ भी लेती हैं..?*

बुज़ुर्ग महिला तुरंत बोलीं *– नहीं..! दवाइयाँ तो अक्सर फेंक देती हूँ...* ***मुझे भी तो जीना है..!***

इस पर तो पूरा हॉल ठहाकों से गूंज उठा।

अंत में ***होस्ट ने कहा*** *– आपका धन्यवाद कि आप इस इंटरव्यू में आईं।*

बुज़ुर्ग महिला मुस्कराकर बोलीं *– आपका भी धन्यवाद... मुझे मालूम है,* ***आपको भी तो जीना है..!***

श्रोता देर तक हँसते रहे और तालियाँ बजती रहीं।

फिर ***किसी ने एक और सवाल किया*** *– क्या आप अपने व्हाट्सएप ग्रुप में भी एक्टिव रहती हैं..?*

बुज़ुर्ग महिला बोलीं *– हाँ, बीच-बीच में मैसेज भेजती रहती हूँ... ताकि* ***सबको पता लगे कि मैं ज़िंदा हूँ..!*** *वरना लोग समझेंगे कि मैं चली गई और ग्रुप एडमिन मुझे हटा देगा!*

कहते हैं, यह दुनिया के सबसे मज़ेदार चुटकुलों में से एक माना गया, क्योंकि – सबको जीना है..!

तो मेरे प्यारे दोस्तों *-- मुस्कुराते रहिए, संदेश भेजते रहिए और अपनों से जुड़े रहिए। लोगों को पता चलता रहना चाहिए कि आप ज़िंदा हैं, खुश हैं और तंदुरुस्त हैं।*

ज़िंदगी है, तो ज़िंदादिली भी होनी चाहिए...!!!

■ **अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

सिंहस्थ के लिए 16 हजार करोड़ के 148 विकास व निर्माण कार्य होंगे

भोपाल ■ प्रतिनिधि

सिंहस्थ : 2028 के लिए 17 नए विकास कार्यों को मिली मंजूरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ : 2028 के भव्य और दिव्य आयोजन के लिए जारी बेहतर रोड नेटवर्क के लिए इंफ्रॉस्ट्रक्चर निर्माण, शिप्रा घाटों के निर्माण, पुण्य स्नान के लिए जल की पर्याप्त उपलब्धता, श्रद्धालुओं के ठहरने और आवागमन की सुगम व्यवस्था तय समय-सीमा में पूर्ण की जाए। बेहतर प्रबंधन के लिए स्टाफिंग और उनके प्रशिक्षण की प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से आरंभ हो। भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा के लिए अद्यतन तकनीक के उपयोग और आपदा प्रबंधन व चिकित्सा सुविधाओं के लिए माइक्रो प्लानिंग की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में हुई सिंहस्थ : 2028 की मंत्रि-मंडलीय समिति की छठवीं बैठक में यह दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-मंडलीय समिति ने 491.66 करोड़ रुपये की लागत के 17 नए विकास कार्यों को मंजूरी दी। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन एवं आसपास के 07 जिलों में जारी 16 हजार 910 करोड़ से अधिक लागत के 148 विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा की और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्रालय में संपन्न बैठक में उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे

मध्य प्रदेश में शासकीय नौकरी में दो बच्चों की अधिकतम सीमा होगी समाप्त : मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शासकीय कर्मचारियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने मंगलवार को सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम में शासकीय नौकरी में दो बच्चों की अधिकतम सीमा संबंधी प्रावधान वाले प्रारूप नियम को निरस्त कर दिया है। साथ ही पोर्टल से विलोपित करने के आदेश भी जारी किए हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2001 में तत्कालीन राज्य सरकार के निर्णय पर सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दो से अधिक जीवित संतान होने पर उम्मीदवारों को शासकीय सेवाओं की सीधी भर्ती और विभागीय नियुक्तियों के लिए अपात्र घोषित करने का प्रावधान था। वर्ष 2001 की प्रचलित व्यवस्था के अनुसार मध्य प्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियमों के तहत 26 जनवरी 2001 या उसके बाद दो से अधिक जीवित संतान वाले उम्मीदवार शासकीय सेवा के लिए अपात्र माने जाते थे तथा मध्य प्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत शासकीय सेवक के दो से अधिक बच्चे होने को कदाचार की श्रेणी में रखा गया था।

जयपुर में पटाखा गोदाम में भीषण विस्फोट, बच्चे समेत 8 की मौत

जयपुर ■ एजेंसी

राजस्थान की राजधानी जयपुर में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। खोह नागोरियान क्षेत्र में स्थित एक पटाखा गोदाम में अचानक भीषण आग लगने के बाद हुए विस्फोट में एक बच्चे सहित आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य झुलस गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और दूर-दूर तक धुएं का गुबार दिखाई दिया।

प्रशासन के अनुसार, हादसा आयशा नगर तलाई क्षेत्र में आईटीआई कॉलेज के निकट स्थित एक गोदाम में हुआ। आग लगने के बाद लगातार विस्फोट होते रहे, जिससे राहत एवं बचाव कार्य में भी काफी मुश्किलें आईं। मृतकों में अब्दुल वाहिद (50), बिलाल खान (30), समीर (20), आजीम खान (18) उर्फ आविद, नासिर खान और अन्य लोग शामिल हैं। दो मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

दो सगे भाइयों की एक साथ मौत

हादसे में जान गंवाने वालों में बिलाल खान और आजीम खान सगे भाई थे। बताया जा रहा है कि आजीम उस स्थान पर काम करता था और बिलाल मंगलवार को उससे मिलने पहुंचा था। दोनों भाई बातचीत कर रहे थे, तभी अचानक विस्फोट हुआ और दोनों आग की चपेट में आ गए। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

जमीन से टकराते ही आग का गोला बना विमान, पायलट और को-पायलट की मौत

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर दिल को दहला देने वाला एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसे देखने के बाद लोगों के रोंगटे खड़े हो गए हैं। डोमिनिकन रिपब्लिक में घटी एक घटना का यह वीडियो है। यहां पर एक निजी विमान अचानक हवा में बेकाबू हो गया और नीचे जमीन पर गिर गया। इस हादसे में पायलट और को-पायलट की मौत हो गई। हादसे का लाइव वीडियो अब सोशल मीडिया पर लोगों के बीच बहस का विषय बन गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक छोटा निजी विमान अपनी रूटीन उड़ान पर था। सब कुछ सामान्य था, लेकिन अचानक आसमान में ही विमान का संतुलन बिगड़ने लगा। वीडियो में दिख रहा है कि विमान हवा में लड़खड़ाने लगता है। पायलट ने विमान को संभालने की पूरी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाया।

भारत ने पहली बार तैनात किए रेडी टू फायर 12 परमाणु हथियार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वैश्विक सुरक्षा और सामरिक संतुलन के बीच भारत की परमाणु रणनीति को लेकर एक महत्वपूर्ण खुलासा सामने आया है। हथियारों और सैन्य क्षमताओं पर नजर रखने वाली प्रतिष्ठित संस्था स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत ने पहली बार 12 परमाणु वॉरहेड को परिचालन स्थिति में तैनात किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, अब तक भारत परमाणु वॉरहेड और उन्हें लक्ष्य तक पहुंचाने वाले मिसाइल या अन्य प्लेटफॉर्म को अलग-अलग स्थानों पर रखता रहा है। हालांकि हालिया घटनाक्रम संकेत देते हैं कि भारत ने अपनी दशकों पुरानी व्यवस्था में बदलाव करते हुए कुछ परमाणु हथियारों को सीधे डिलीवरी सिस्टम से जोड़ दिया है या उन्हें ऐसे सैन्य ठिकानों पर तैनात किया है जहां से जरूरत पड़ने पर तत्काल इस्तेमाल किया जा सके।

SIPRI का मानना है कि भूमिगत मिसाइल साइलो, कैनिस्टर-आधारित मिसाइल प्रणालियों और परमाणु क्षमता से लैस बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों में हथियारों की तैनाती भारत की बढ़ती रणनीतिक तैयारी को दर्शाती है।

मोहन कैबिनेट के फैसले : भोपाल मेट्रो की लागत बढ़ी, अब परियोजना पर खर्च होंगे 10,033 करोड़

एमपी में मंडी शुल्क बढ़ा...सरकार को मिलेगा 800 करोड़ का राजस्व

भोपाल ■ प्रतिनिधि

भोपाल मेट्रो रेल परियोजना को पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने इसकी बढ़ी हुई लागत को मंजूरी दे दी है। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में परियोजना की संशोधित लागत को मंजूरी दी। अब भोपाल मेट्रो परियोजना पर कुल 10,033 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

इसके साथ ही अब सरकार ने कपास पर लगने वाले मंडी शुल्क को घटाकर अन्य उपज पर लगने वाले मंडी शुल्क को बढ़ा दिया है। बढ़े शुल्क से सरकार को 800 करोड़ का राजस्व मिलेगा।

2016 में बनी थी परियोजना, लागत बढ़कर पहुंची 10,033 करोड़– *कैबिनेट फैसलों की जानकारी देते हुए एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि भोपाल मेट्रो रेल परियोजना 2016 में तैयार की गई थी। उस समय इसकी अनुमानित लागत करीब 6 हजार 241 करोड़ रुपए थी, जो अब बढ़कर 10,033 करोड़ रुपए हो गई है।*

परियोजना को गति देने और निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए बढ़ी हुई लागत को मंजूरी दी गई है। सरकार का दावा है कि अगले दो सालों में परियोजना का स्वरूप और अधिक स्पष्ट दिखाई देगा।

कपास पर मंडी शुल्क घटाया, दूसरे जींस में बढ़ाया– *कैबिनेट ने किसानों के हित में कपास पर लगने वाले मंडी शुल्क को कम करने का फैसला भी किया है। मंत्री काश्यप ने बताया कि पहले कपास पर मंडी शुल्क अधिक होने के कारण किसानों और व्यापारियों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ता था। अब कपास पर केवल 0.50% मंडी शुल्क लिया जाएगा।*

उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में भी इसी दर से शुल्क लिया जाता है। इसके अलावा अन्य कृषि उपज पर मंडी शुल्क को कुछ वर्ष पहले 1.5 % से घटाकर 1% कर दिया गया था, जिसे अब फिर बढ़ाने का फैसला लिया गया है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने जिलों में होंगी कार्यशालाएं

सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष अभियान चलाने जा रही है। मंत्री काश्यप ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनके माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती के लाभ और तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इंदौर में चल रहे ब्रिक्स कृषि सम्मेलन के भी सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे, जिससे कृषि क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित होंगी।

उड़ता तीर

आचार्य देव मुरारी बापू ने मध्यप्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा से की भेंट

भोपाल। पूज्य संत कथा वाचक आचार्य देव मुरारी बापू ने आज मध्यप्रदेश के पूर्व गृह मंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा के निवास पहुंच कर नरोत्तम मिश्रा से भेट कर उन्हें आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर भारतीय विप्र समाज मप्र के अध्यक्ष दिनेश शर्मा,एडवोकेट राजेश मिश्रा उपस्थित थे।

पुरुषोत्तम मास के अंतिम बड़े मंगलवार को खेड़ापति हनुमान जी मंदिर में हुआ विशाल भंडारा

भोपाल ■ निसं

पुरुषोत्तम मास के अंतिम बड़े मंगलवार को आज भोपाल के प्रसिद्ध खेड़ापति हनुमान जी मंदिर छोला रोड पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सुबह से शाम तक करीब 5 भंडारे हुए जिसमें आठ हजार से अधिक लोगों ने प्रशादी ग्रहण की इससे पूर्व हनुमान जी महाराज को भोग लगाया गया महंत जगदीस जी महाराज का आशीर्वाद लिया इस अवसर पर उदासीन अखाड़े के महंत अनिलाननंद जी ,पूज्य संत देव मुरारी बापू,वीरेंद्र पाठक,राममनोहर शर्मा, अतुलित राय, अनुराग जी ,मुकुल राठौर,गौतम जायसवाल, श्रीमति सरस्वती तिवारी थाना प्रभारी,विशाल चौबे, प्रतीक शर्मा, बृजमोहन प्रजापति, दिनेश शर्मा, कादम्बिनी शर्मा, नीतू जायसवाल, चंद्रमौल तिवारी,अमन मिश्रा,सुमित मिश्रा सहित सैकड़ों की तादात में लोग उपस्थित थे।

3 साल बाद पुरुषोत्तम मास में सोमवती अमावस्या का संयोग

भोपाल। 3 साल के अंतराल के बाद पुरुषोत्तम मास में सोमवती अमावस्या का विशेष संयोग बन रहा है। 15 जून को उदया तिथि में सोमवती अमावस्या आस्था और श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी। सोमवती अमावस्या पर शहर से हजारों लोग मां नर्मदा और शिप्रा में डुबकी लगाने रवाना होंगे, वहीं शहर के मंदिरों, मठों और आश्रमों में अमावस्या के तहत् विशेष अनुष्ठान और तर्पण के आयोजन किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि सनातन परंपरा में अमावस्या तिथि सोमवार को आती है तो इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। इस साल 2026 की पहली सोमवती अमावस्या पुरुषोत्तम मास में पड़ रही है, जिससे इसका आध्यात्मिक महत्व कई गुना बढ़ गया है। ज्योतिषाचार्य पंडित रामचन्द्र शर्मा वैदिक के अनुसार, सोमवती अमावस्या का दिन भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन श्रद्धा और नियमपूर्वक पूजा-पाठ करने से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है। खासकर सुहागिन महिलाओं के लिए यह व्रत बेहद फलदायी माना गया है। सोमवती अमावस्या का व्रत करने से अखंड सौभाग्य, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन में खुशहाली का आशीर्वाद मिलता है, साथ ही पितरों की भी कृपा बरसती है। सोमवती अमावस्या पर पीपल के पेड़ की 108 बार परिक्रमा करने का विधान है। परिक्रमा करते समय सूत का धागा लपेटा जाता है। पुरुषोत्तम मास होने के कारण पीपल में भगवान विष्णु का वास और अधिक फलदायी हो जाता है। इस दिन पितरों के नाम से जल में तिल मिलाकर तर्पण करें और उनके निमित्त गीता का पाठ करें। इससे पितृ प्रसन्न होते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ अधिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 14 जून को दोपहर 12 बजकर 19 मिनट से शुरू होगी और 15 जून को सुबह 8 बजकर 23 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर सोमवती अमावस्या का व्रत और पूजा 15 जून, सोमवार को की जाएगी। इस दिन सुबह का समय स्नान, दान और पूजा-पाठ के लिए विशेष रूप से शुभ माना गया है। पुरुषोत्तम मास में पडने़ वाली सोमवती अमावस्या को बेहद दुर्लभ और पुण्यदायी संयोग माना जाता है।

थाना प्रभारी की सख्ती: एक सप्ताह में 104 चाकूबाजों की थाने में ली हाजरी

अगर दोबारा वारदात की तो सीधे NSA + जिला बदर की कार्रवाई होगी:टी आई सरस्वती तिवारी

भोपाल ■ दिनेश शर्मा

भोपाल की छोला थाना प्रभारी श्रीमती सरस्वती तिवारी ने चाकूबाजी पर सख्ती करते हुए इलाके के ट्104 चाकूबाजों की थाने में हाजरी ली जा रही है। भोपाल में लगातार चाकूबाजी की घटनाओं और कोहेफिजा में 18 लाख की चाकू की नोक पर लूट के बाद पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर स्पेशल ड्राइव चल रही है।

इसी के तहत छोला थाना प्रभारी सरस्वती तिवारी ने कार्रवाई की। आपने हमारे संवाददाता को बताया कि 104 बदमाशों की लिस्ट बनाई गई थी जो थाना क्षेत्र के पुराने चाकूबाजी, अड़ीबाजी, मारपीट, बलवा के मामलों में जो आरोपी जमानत पर बाहर हैं या हिस्ट्रीशीटर हैं, उनकी लिस्ट तैयार की और एक सप्ताह में सभी बुलाकर थाने में परेड/हाजरी ली गई। सबको सख्त हिदायत दी गई कि अगर दोबारा चाकूबाजी या किसी वारदात में नाम आया तो सीधे NSA + जिला बदर की कार्रवाई होगी। सप्ताह में एक दिन इन चाकूबाजो को थाने में हाजिर होना है और इनके मोबाइल और गतिविधियों पर पूरी नजर पुलिस बनाए हुए हैं। इसका मकसद है कि बदमाशों में

खौफ बनाना और ये मैसेज देना कि पुलिस हर हिस्ट्रीशीटर पर नजर रख रही है। जो थाने नहीं आए, उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

इस थाने की खास बात: भोपाल का छोला इलाका पुराने शहर का संवेदनशील एरिया है। यहां अक्सर ग्रुप बनाकर अड़ीबाजी और चाकूबाजी की घटनाएं होती हैं। सरस्वती तिवारी महिला थाना प्रभारी हैं और उन्होंने चार्ज लेने के बाद से गुंडे-बदमाशों पर सख्ती शुरू की है। वैसे तो इस थाने में रोज कोई न कोई नित नया मामला दर्ज होता ही है परंतु महिला थाना प्रभारी होने के नाते महिलाएं खुल कर अपनी पीड़ा बताती है और उस पर कार्यवाही भी होती हे परन्तु कुछ ऐसे छोटे मोटे परिवार विवाद के मामले स्वम थाना प्रभारी श्रीमति सरस्वती तिवारी समझाईस भी देकर सुलझाने का प्रयास करती है।आपके जो कार्य करने के तरीके हे वह कुछ अलग है बदमाशों को छोड़ती नहीं और सरीफ को पूरा न्याय दिलाने का प्रयास करती हैं जिससे क्षेत्र में खौफ भी और सुरक्षा भी है।

एक मामले में छोला थाना प्रभारी श्रीमती सरस्वती तिवारी की तत्परता से 'डिजिटल अरेस्ट' मजदूर को बहार निकाला था। ज्ञात रहे कि कुछ महीनों पूर्व छोला मंदिर थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक मजदूर को 3 दिन तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखकर डेढ़ लाख रुपये ठग लिए थे। पीड़ित 45 वर्षीय राजकुमार, छोला इलाके में मजदूरी करता है।

ठगी का तरीका: NIA अफसर बनकर कॉल : ठगों ने खुद को NIA अधिकारी बताकर कहा कि राजकुमार के बैंक खाते से आतंकी गतिविधियों के लिए पैसे भेजे गए हैं

3 दिन तक डिजिटल अरेस्ट: वीडियो कॉल पर 'पुलिस' लिखा वाहन दिखाकर धमकाया। बोले - कॉल काटी या किसी को बताया तो एनकाउंटर कर दिया जाएगा ,शुक्रवार से रविवार सुबह तक लगातार कॉल/वीडियो कॉल पर अलग-अलग लोग अफसर बनकर पूछताछ करते रहे

पैसे ट्रांसफर: 'केस सेटलमेंट' के नाम पर कई किश्तों में 1.43-1.5 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए । रविवार को परिवार को शक हुआ और उन्होंने छोला मंदिर थाना प्रभारी को बताया। थाना प्रभारी सरस्वती तिवारी ने तुरंत कार्रवाई की। महिला थाना प्रभारी ने वीडियो कॉल पर ठग से सख्ती से बात की तो वह घबरा गया और संपर्क तोड़ लिया। पुलिस ने खाते होल्ड कराकर बाकी डेढ़ लाख बचाए।

पुलिस जांच

- दो मोबाइल नंबरों से कॉल आई थी, जिन्हें सर्विलांस पर रखा गया है- अज्ञात आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया गया।
- थाना प्रभारी प्रतिदिन रात्रि गश्त और बदमाशों पर पूरी नजर रख उन पर कार्यवाही करने में कोई कोताही नहीं रखती है।

छठे बड़े मंगल पर दादाजी धाम मंदिर में बाल स्वरूप हनुमान जी का दिव्य एवं अलौकिक श्रृंगार

भोपाल ■ निसं

जागृत एवं दर्शनीय तीर्थस्थल दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल में छठे बड़े मंगल के पावन अवसर पर बाल स्वरूप श्री हनुमान जी महाराज का विशेष, दिव्य एवं मनोहारी श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना से आलोकित रहा।

पंडित राजेंद्र पलिया द्वारा श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव एवं उपस्थित श्रद्धालुओं से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन-अर्चन संपन्न कराया गया। भक्तों ने श्री हनुमान जी महाराज के श्रीचरणों में सुख, शांति, समृद्धि एवं पारिवारिक कल्याण की मंगलकामना करते हुए दीप अर्पित किए।

भगवान हनुमान जी का दिव्य स्वरूप अद्वितीय तेज, करुणा एवं भक्तवत्सल भाव से ओत-प्रोत दिखाई दे रहा था। आशीर्वाद मुद्रा में विराजमान प्रभु का स्वरूप श्रद्धालुओं को साहस, आत्मविश्वास तथा संकटों से संरक्षण का संदेश प्रदान कर रहा था।

विशेष श्रृंगार में श्री हनुमान जी को गहरे गुलाबी रंग के आकर्षक एवं अलंकृत वस्त्र धारण कराए गए। मस्तक पर सुशोभित भव्य मुकुट, रंग-बिरंगे रत्नों की कलात्मक सज्जा, पुष्पमालाएँ तथा दिव्य आभूषणों ने प्रतिमा की शोभा को और अधिक अनुपम बना दिया। पुष्पों से सुसज्जित पृष्ठभूमि ने संपूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक उल्लास से भर दिया।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए बताया गया कि श्री हनुमान जी बल, बुद्धि, विद्या, सेवा, समर्पण एवं अखंड भक्ति के आदर्श हैं। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर प्रत्येक व्यक्ति निष्ठा, विनम्रता, परिश्रम एवं धर्ममार्ग का अनुसरण कर सकता है। प्रभु की कृपा से जीवन में आत्मबल, धैर्य एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मंदिर परिसर में गूंजते जयकारों, भजन-कीर्तन एवं भक्तिमय वातावरण ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराई। इस अवसर पर पंडित राजेंद्र पलिया द्वारा श्री हनुमान वंदना का पाठ किया गया।

संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन के समपार फाटक पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया आमजन को जागरूक

भोपाल ■ निसं

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस के अवसर पर 09 जून को मंडल के विभिन्न समपार फाटकों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। भोपाल मंडल के सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों द्वारा संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन के पास गेट नंबर 114 एवं 115 के आस-पास रोड यूजर्स के बीच पहुंचकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन जागरूकता लाने का प्रयास किया गया एवं समपार फाटक पर राहगीरों और वाहन चालकों को पंपलेट वितरित कर रेल संरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम में मंडल के वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी विजय शंकर गौतम सहित संरक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भोपाल मंडल के बीना-भोपाल-इटारसी खंड, बीना-गुना-ग्वालियर खंड तथा गुना-मक्सी खंड सहित मंडल के सभी 85 समपार फाटकों पर संरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार फाटक पार करते समय बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी जा रही है।

अभियान के दौरान लोगों को निम्नलिखित महत्वपूर्ण संदेश दिए गए-

- वाहन अथवा ट्रेन की गति का अनुमान लगाना कठिन होता है, इसलिए हमेशा सावधानी बरतें।
- बंद अथवा बंद हो रहे समपार फाटक को पार करने का प्रयास न करें।
- रेलगाड़ी किसी भी दिशा से आ सकती है, इसलिए दोनों ओर देखकर ही आगे बढ़ें।
- रेल पटरी पार करने से पहले ट्रेन की आवाज सुनने के लिए इंजन बंद कर प्रतीक्षा करें।
- फाटक बंद होने पर वाहन को फाटक से सुरक्षित दूरी पर रोकें तथा फाटक खुलने के बाद ही आगे बढ़ें।
- जल्दबाजी में समपार फाटक पार करने का प्रयास न करें।

अभियान के अंतर्गत रोड यूजर्स को जनसंपर्क वाहन, जागरूकता पंपलेट, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली तथा ऑडियो-वीडियो संदेशों के माध्यम से भी जागरूक किया जा रहा है। इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से भी रेल संरक्षा संबंधी संदेश व्यापक रूप से प्रसारित किए जा रहे हैं।

मरीजों और परिजनों को मिलेगी बेहतर डिजिटल एवं संचार सुविधाएं

एम्स भोपाल और बीएसएनएल भोपाल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भोपाल ■ निसं

एम्स भोपाल लगातार आधुनिक तकनीक और स्वास्थ्य सेवाओं के समन्वय के माध्यम से मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसी क्रम में एम्स भोपाल ने दूरसंचार एवं डिजिटल कनेक्टिविटी अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बीएसएनएल भोपाल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस सहयोग के तहत संस्थान में टेलीफोन कनेक्टिविटी, फाइबर टू द होम, प्राइमरी रेट इंटरफेस, टोल-फ्री सेवाएं, क्लोज्ड यूजर ग्रुप कनेक्शन तथा अन्य दूरसंचार सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। इसके साथ ही एम्स भोपाल परिसर में मोबाइल नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में भी

कार्य किया जाएगा, जिससे मरीजों, उनके परिजनों, विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों को बेहतर संचार सुविधाएं मिल सकेंगी। समझौते के अंतर्गत नेटवर्क उन्नयन तथा संबद्ध सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना के विकास के लिए तकनीकी परामर्श और सहयोग भी प्रदान किया जाएगा। इससे संस्थान की डिजिटल कार्यप्रणाली को मजबूती मिलेगी तथा विभिन्न सेवाओं का संचालन अधिक प्रभावी और सुचारु रूप से किया जा सकेगा।

यह समझौता नवाचार, डिजिटल कनेक्टिविटी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल 'बेहतर कल के लिए तकनीक और स्वास्थ्य सेवाओं का समन्वय' की सोच को साकार करते हुए आम नागरिकों को अधिक सुलभ, प्रभावी और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगी।

वरिष्ठजन की सेवा ही मानवता की सच्ची सेवा : मंत्री कुशवाह

भोपाल ■ निसं

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने मंगलवार को शाहजहानाबाद स्थित आसरा वृद्धाश्रम पहुंचकर वरिष्ठजन के साथ समय व्यतीत किया और उनकी सेवा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। वृद्धाश्रम में आयोजित धार्मिक एवं सेवा कार्यक्रम के दौरान मंत्री कुशवाह ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुंदरकांड पाठ में सहभागिता की।

मंत्री कुशवाह ने वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठ नागरिकों से आत्मीय संवाद कर कुशलक्षेम जानी तथा उनकी आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मंत्री कुशवाह ने वृद्धजन को वस्त्र भेंट कर भोजन प्रसादी भी वितरित की। उन्होंने कहा कि समाज के वरिष्ठजन अनुभव, संस्कार और परंपराओं के संवाहक हैं। उनका सम्मान, सेवा और देखभाल करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

मंत्री कुशवाह ने कहा कि वृद्धजन के स्नेहपूर्ण आशीर्वाद और उनके चेहरे पर आई मुस्कान से उन्हें आत्मिक शांति एवं संतोष की अनुभूति हुई। उन्होंने समाज से वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान का भाव बनाए रखने का आहवान किया।

वृद्धाश्रम के बुजर्गों ने मंत्री कुशवाह के इस आत्मीय प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वरिष्ठजन की सेवा को भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों का सशक्त प्रतीक बताया।

छात्रों को पर्यटन, आतिथ्य एवं पशुपालन क्षेत्र में मिला व्यवहारिक अनुभव

पीएसएससीआईवीई के समर कैंप में अनुभवात्मक अधिगम के माध्यम से व्यावसायिक जागरूकता एवं कौशल विकास को मिला बढ़ावा

भोपाल ■ निसं

पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई), एनसीईआरटी, भोपाल में आयोजित समर कैंप के सातवें दिन मंगलवार को विद्यार्थियों को विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों से संबंधित अनुभवात्मक एवं क्षेत्राधारित अधिगम गतिविधियों में सहभागिता का अवसर प्रदान किया गया। संस्?थान के संयुक?त निदेशक डॉ. दीपक पालीवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कैंप में प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक भ्रमण गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने पर्यटन, आतिथ्य, कृषि एवं पशुपालन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की कार्यप्रणाली को निकट से समझा तथा व्यवहारिक अनुभव प्राप्त किया। प्रथम समूह के विद्यार्थियों ने पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र से संबंधित विशेष प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया। यह सत्र सहायक प्राध्?यापक डॉ. प्रकाशचंद्र राउत के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को पर्यटन उद्योग की मूलभूत अवधारणाओं, यात्रा कार्यक्रम (इटिनरेरी) निर्माण तथा

इस क्षेत्र में उपलब्ध विविध करियर अवसरों की जानकारी दी गई।

सत्र के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि पर्यटन केवल भ्रमण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं एवं सामाजिक जीवन को समझने का प्रभावी माध्यम भी है। विद्यार्थियों ने पर्यटन प्रबंधन, यात्रा नियोजन तथा आतिथ्य सेवाओं के विभिन्न आयामों को समझते हुए इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार एवं उद्यमिता की संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। गतिविधियों ने विद्यार्थियों में संचार कौशल, योजना निर्माण एवं सेवा प्रबंधन से संबंधित समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गौशाला भ्रमण कर जाना पशुपालन: दूसरे समूह के विद्यार्थियों ने कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र से संबंधित गतिविधियों के अंतर्गत एक गौशाला का शैक्षणिक भ्रमण किया। संस्?थान के सह प्राध्?यापक डॉ. आशीष कुमार सोनी के मार्गदर्शन में आयोजित इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को पशुपालन की व्यवहारिक प्रक्रियाओं एवं वैज्ञानिक प्रबंधन पद्धतियों की जानकारी प्रदान की गई। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने दुग्ध पशुओं के आवास प्रबंधन, संतुलित एवं वैज्ञानिक आहार व्यवस्था, दैनिक देखभाल तथा पशुधन प्रबंधन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

नगरीय प्रशासन ने किया सरकार की सादगी को दरकिनार

भोपाल । एक ओर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री लगातार सरकारी खर्चों में मितव्ययिता तथा ईंधन बचत का संदेश दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की आगामी समीक्षा बैठक को लेकर उठे प्रबंधकीय इंतजाम सवालों के घेरे में आ गए हैं। 13 जून को भोपाल के सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय शहरी प्रबंधन संस्थान में आयोजित होने वाली विभागीय बैठक के लिए करीब 150 वाहनों के चालकों हेतु भोजन पैकेट की व्यवस्था के निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग के प्रमुख अभियंता प्रदीप एस. मिश्रा द्वारा संस्थान प्रबंधन को भेजे गए पत्र के अनुसार, इस एक दिवसीय संभागवार समीक्षा बैठक में प्रदेश के नगरीय निकायों से लगभग 850 अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ और ठेकेदार भाग लेंगे। बैठक में अमृत-1 एवं अमृत-2.0 योजनाओं के तहत संचालित जलप्रदाय परियोजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

युवक पर फायर करने वाला बदमाश और गर्लफ्रेंड गिरफ्तार

जबलपुर। जबलपुर में गढ़ा थाना पुलिस ने युवक पर तीन राउंड फायरिंग करने वाले शातिर बदमाश करण विश्वकर्मा और उसकी गर्लफ्रेंड सोनानी बर्मन को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल पिस्टल भी जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार, सोमवार रात करीब 10 :30 बजे करण विश्वकर्मा अपनी गर्लफ्रेंड के साथ बाइक से लाल बिल्डिंग क्षेत्र पहुंचा था। यहां उसकी मुलाकात अंकित लखेरा से हुई। दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद करण ने पिस्टल निकालकर एक के बाद एक तीन राउंड फायर कर दिए। गोली अंकित को नहीं लगी, लेकिन जान बचाने के लिए भागते समय वह दीवार से टकरा गया, जिससे उसके सिर में चोट आई। फायरिंग की आवाज सुनते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायल अंकित को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जांच में सामने आया कि करण को शक था कि अंकित उसके विरोधियों को उसकी लोकेशन बताता है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच एक महीने पहले भी विवाद हुआ था। करण की हर्ष अहिरवार और आर्यन से पुरानी दुश्मनी भी बताई जा रही है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर तलाश शुरू की और करण विश्वकर्मा तथा उसकी गर्लफ्रेंड सोनानी बर्मन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब महिला की भूमिका की भी जांच कर रही है। गढ़ा थाना प्रभारी प्रसन्न शर्मा ने बताया कि आरोपी करण विश्वकर्मा के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपियों से पूछताछ जारी है और वारदात में इस्तेमाल पिस्टल जब्त कर ली गई है।

झोपड़ी में आग लगाने की शिकायत लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचा परिवार

बोला- झोपड़ी जलाई, अब जान का खतरा, 4 पीढ़ियों से हमारे पास थी वह जमीन हड़पी

सीहोर ■ निसं

सीहोर कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में एक सपेरा परिवार ने अपनी कृषि भूमि पर कब्जे, झोपड़ी में आग लगाने और फायरिंग किए जाने की शिकायत करते हुए प्रशासन से सुरक्षा और कार्रवाई की मांग की। परिवार ने पुलिस पर भी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया।

फर्जी रजिस्ट्री कराकर जमीन हड़पने का आरोप: परिवार की अनीता नाथ, पुत्री मांगीलाल ने बताया कि सरकार ने उनके अनुसूचित जाति परिवार को ग्राम दौलतपुरा में जीवन-यापन के लिए कृषि भूमि आवंटित की थी। उनका आरोप है कि राजनीतिक और व्यापारी परिवार के लोगों ने फर्जी तरीके से इस भूमि की रजिस्ट्री कराकर अपने नाम दर्ज करा ली है। परिवार का कहना है कि नियमानुसार सरकार द्वारा दी गई सेवाभूमि की खरीद-फरोख्त नहीं की जा सकती।

अनीता नाथ के अनुसार, उनका परिवार दोराहा तहसील के ग्राम दौलतपुरा, थाना अहमदपुर में चार पीढ़ियों से खेती कर रहा है। वर्ष 2008 से कुछ लोग इस जमीन पर दावा कर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी परिवार की महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के साथ गाली-गलौज, मारपीट करता है और बंदूक से फायरिंग कर डराता-धमकाता है। परिवार का यह भी आरोप है कि हाल ही में आरोपियों ने पेट्रोल छिड़ककर उनकी झोपड़ी में आग लगा दी, जिससे गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। उन्हें रात में आग लगाकर जिंदा जलाने की धमकियां भी दी जा रही हैं।

पुलिस पर कार्रवाई न करने के आरोप लगाए: सपेरा परिवार ने पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि पुलिस उनकी शिकायतों पर कार्रवाई करने के बजाय आरोपियों का पक्ष ले रही है। परिवार ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर बालागुरू के. ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से 103 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी 32 आवेदकों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं।

सीहोर में संविदा कर्मचारियों का प्रदर्शन

सीहोर। मध्यप्रदेश में संविदा नीति, वेतन विसंगति और नेशनल पेंशन स्कीम के विरोध में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल जारी है। सीहोर जिले में अनिश्चितकालीन हड़ताल के आठवें दिन कर्मचारियों ने धरना स्थल पर चूल्हे पर चाय बनाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने बताया कि उनकी अनिश्चितकालीन हड़ताल का यह आठवां दिन है। चूल्हे पर चाय बनाकर उन्होंने सरकार तक अपनी मांगों का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मांगों पर लंबे समय से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने 'संविदा एकता जिंदाबाद' के नारे लगाए। उनका आरोप है कि वे वर्षों से शोषणकारी संविदा नीति का सामना कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठा रही है। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने कहा कि वे नियमितीकरण सहित अपनी अन्य मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

IPS कॉलेज ग्वालियर का मामला

नर्सिंग की ट्रेनिंग लेने आई छात्रा की संदिग्ध मौत: अचानक होने लगी थीं उल्टियां

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर के आईपीएस कॉलेज में मुख्यमंत्री कौशल संवर्धन योजना के तहत नर्सिंग ट्रेनिंग लेने आई 23 वर्षीय छात्रा नीलू प्रजापति पुत्री लक्ष्मण प्रजापति की मंगलवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। नीलू को सोमवार-मंगलवार दरमियानी रात करीब 12 बजे उल्टी होने लगी थीं। नीलू के परिजनों का आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन ने समय से इलाज नहीं कराया। उसे बीमार होने के करीब 6 घंटे बाद (सुबह 6 बजे) अस्पताल ले जाया गया।

परिजनों का आरोप है कि हॉस्टल प्रबंधन की घोर लापरवाही ने उनकी बेटी की जान ले ली। छात्रा केआरजी कॉलेज से नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी और 45 दिन की विशेष ट्रेनिंग के लिए 14 मई को आईपीएस कॉलेज पहुंची थी। वह अपनी चचेरे भाई की बेटी तनु के साथ हॉस्टल में रह रही थी। परिजनों के अनुसार शुक्रवार को वह दो-तीन दिन के लिए घर भी आई थी और अपने खराब हो चुके जूते बदलवाकर वापस ट्रेनिंग के लिए कॉलेज लौट गई थी।

45 दिन की ट्रेनिंग पर गई थी आईपीएस कॉलेज: सोमवार देर रात करीब 12 बजे नीलू की तबीयत अचानक बिगड़ गई और उसे उल्टियां होने लगीं। उसके साथ रह रही तनु ने फोन कर परिजनों को इसकी जानकारी दी। मृतका के पिता लक्ष्मण प्रजापति का आरोप है कि बेटी की हालत बिगड़ने के बावजूद हॉस्टल प्रबंधन ने उन्हें तत्काल सूचना नहीं दी और न ही समय रहते अस्पताल पहुंचाया।

उनका कहना है कि रात 12 बजे तबीयत खराब होने के बाद नीलू को सुबह करीब 5 बजे अस्पताल ले जाया गया, जिससे इलाज में देरी हुई और उनकी बेटी की जान चली गई।

हॉस्टल प्रबंधन ने खारिज किए आरोप

हॉस्टल स्टाफ ने इन आरोपों को खारिज किया है। स्टाफ का कहना है कि छात्रा की तबीयत खराब होने पर उसे प्राथमिक उपचार के तहत ORS दिया गया था, जिसके बाद उसकी स्थिति सामान्य हो गई थी, लेकिन कुछ समय बाद दोबारा हालत बिगड़ने पर उसे तत्काल जयारोग्य अस्पताल की डिस्पेंसरी ले जाया गया। स्टाफ का दावा है कि एम्बुलेंस का इंतजार करने में और अधिक समय बर्बाद होता, इसलिए छात्रा को स्कूटी से अस्पताल पहुंचाया गया।

15 साल में 75 फैक्टियां महाराष्ट्र शिफ्ट, अब होगी वापसी

मंडी फीस दर 1% से घटाकर 0.5% हुआ, टैक्स घटने से रोजगार बढ़ने का दावा

खंडवा ■ निसं

मध्यप्रदेश के 75 कपास कारखाने जब महाराष्ट्र शिफ्ट हो गए, तब कहीं जाकर सरकार ने मंडी फीस की दर को घटाने का निर्णय लिया। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक भोपाल हुई। बैठक में मंत्रि-परिषद ने कपास पर मंडी फीस की दर को 1% से घटाकर 0.5% करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे स्थानीय जिनिंग मिलों को मजबूती मिलेगी और रोजगार बढ़ेगा।

किसान हित में सामान्य मंडी शुल्क को एक रुपए से बढ़ाकर एक रुपए 50 पैसे किया गया है। शुल्क के रूप में प्राप्त होने वाली 500 करोड़ रुपए की अनुमानित अतिरिक्त आय का उपयोग सीधे किसान सड़क निधि और कृषि अनुसंधान के विकास में किया जाएगा। सरकार के इस कदम के बाद दावा है कि कारखाने वापस आएंगे और 10 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। बता दें कि सरकार अब तक कपास पर एक रुपए प्रति सैकड़ा की दर से मंडी टैक्स वसूल रही थी। 15 साल में 75 फैक्ट्रियों के महाराष्ट्र पलायन की बात सामने आने के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने संज्ञान लिया और कपास पर मंडी टैक्स महाराष्ट्र और गुजरात के बराबर करने का निर्णय लिया।

बम्होरी तिगड्डा ओवरब्रिज के लिए चला बुलडोजर

सागर। सागर के बम्होरी तिगड्डा पर नेशनल हाईवे-44 पर ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। ब्रिज की एप्रोच रोड के निर्माण को लेकर जमीन संबंधी विवाद बना हुआ था। विवाद का निराकरण होने के बाद मंगलवार को प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। एप्रोच रोड के बीच में आ रहे एक मकान को बुलडोजर से तोड़कर हटाया गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम बम्होरी बीका में सागर-रहली मार्ग की सर्विस रोड के लिए NHAI द्वारा अधिग्रहित भूमि पर यह कार्रवाई की गई। भूमि खसरा नंबर 15/1 और 15/3 की कुल 0.37 हेक्टेयर भूमि में से 0.06 हेक्टेयर अर्जित रकवे पर बने निर्माण को हटाकर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार राहुल गौड़, पटवारी अरविंद, NHAI के इंजीनियर आयुष पाठक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रामखिलावन सौंधिया को मिली दोहरी जिम्मेदारी, कर्मचारी संघ प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यक्रम प्रभारी मनोनीत

बुधनी ■ निसं

कहार महासंघ राष्ट्रीय सामाजिक संगठन एवं माझी संघर्ष मोर्चा के संगठनात्मक विस्तार के तहत महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गई हैं। राष्ट्रीय नेतृत्व की सहमति एवं अनुशंसा पर समाजसेवी एवं संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता रामखिलावन सौंधिया को एक साथ दो महत्वपूर्ण दायित्व सौंपते हुए कहार महासंघ कर्मचारी संघ का प्रदेश अध्यक्ष तथा माझी संघर्ष मोर्चा का कार्यक्रम प्रभारी मनोनीत किया गया है।

यह नियुक्ति कहार महासंघ राष्ट्रीय सामाजिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश कहार एवं राष्ट्रीय महासचिव सह प्रभारी (मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उत्तर प्रदेश) अजय रायकवार की अनुशंसा एवं सहमति से की गई है। संगठन द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि सौंधिया समाज एवं कर्मचारी वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए संगठन को नई दिशा देने का कार्य करेंगे।

नियुक्ति पत्र के अनुसार श्री सौंधिया का कार्यकाल एक वर्ष का रहेगा। इस अवधि में वे प्रदेश स्तर पर कर्मचारी संघ को सशक्त बनाने, समाज के विभिन्न वर्गों को संगठित करने तथा माझी संघर्ष मोर्चा के कार्यक्रमों की योजना एवं क्रियान्वयन की जिम्मेदारी निभाएंगे। संगठन ने उनसे समाजहित एवं जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई है।

सौंधिया की इस महत्वपूर्ण दोहरी नियुक्ति पर समाज के वरिष्ठजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं संगठन के पदाधिकारियों में खुशी का माहौल है। अनेक शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है। राष्ट्रीय महासचिव अजय रायकवार ने विश्वास व्यक्त किया कि रामखिलावन सौंधिया के नेतृत्व में संगठन को प्रदेशभर में नई मजबूती, सक्रियता और विस्तार मिलेगा तथा समाज के उत्थान के लिए चलाए जा रहे अभियान और अधिक प्रभावी होंगे।

इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के अधिकारों, शिक्षा, रोजगार, सामाजिक जागरूकता और संगठनात्मक मजबूती के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं तथा नई नियुक्तियां इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। सौंधिया ने भी संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए सौंपे गए दायित्वों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करने का संकल्प व्यक्त किया।

जनसुनवाई में गले में जूतों की माला पहनकर पहुंचा किसान

पुलिसकर्मी पर जमीन हड़पने का आरोप

नीमच ■ निसं

नीमच में किसान प्रकाश मालवीय गले में जूतों की माला पहनकर जनसुनवाई में पहुंचा। उसने एक पुलिस आरक्षक पर कृषि भूमि पर अवैध कब्जा, मिट्टी उत्खनन और फसल नष्ट करने का आरोप लगाया तथा कार्रवाई नहीं होने पर प्रशासन के समक्ष विरोध जताया।

मध्य प्रदेश के नीमच जिला मुख्यालय पर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी और सनसनी का माहौल बन गया, जब साप्ताहिक जनसुनवाई में एक किसान अपने गले में जूतों की माला पहनकर पहुंच गया। कलेक्ट्रेट परिसर में किसान का यह अनोखा और तीखा विरोध प्रदर्शन देख वहां मौजूद अधिकारी, कर्मचारी और अन्य फरियादी हक्के-बक्के रह गए। पीड़ित किसान ने पुलिस विभाग में तैनात एक आरक्षक पर उसकी कृषि भूमि पर अवैध कब्जा करने और फसल बर्बाद करने का गंभीर आरोप लगाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नीमच के ग्राम सावन निवासी किसान प्रकाश मालवीय लंबे समय से अपनी पैतृक कृषि भूमि को लेकर परेशान हैं। मंगलवार को वह हाथ में शिकायती आवेदन और गले में जूतों की माला लटकाए सीधे कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई में दाखिल हो गया।

पीड़ित प्रकाश मालवीय का आरोप है कि नीमच पुलिस में पदस्थ राहुल गुर्जर नामक पुलिसकर्मी ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर उसकी अनुपस्थिति का फायदा उठाया और उसकी कृषि भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया।

ग्वालियर में रेत के 3 डिपो पर छापामार कार्रवाई

माइनिंग विभाग ने जब्त की 20 ट्रॉली रेत, पुलिस को देख मौके से भागे माफिया

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में अवैध खनन और रेत के अवैध कारोबार के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार दोपहर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

माइनिंग विभाग की टीम ने पुलिस बल के साथ महाराजपुरा थाना क्षेत्र के शताब्दीपुरम और आदित्यपुरम इलाके में संचालित किए जा रहे अवैध रेत डिपो पर छापामार कार्रवाई की। पुलिस को देखते ही रेत माफिया मौके से भाग निकले। इस दौरान शताब्दीपुरम स्थित दो और आदित्यपुरम स्थित एक रेत फड़ पर कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में रेत जब्त की गई। मौके पर पहुंची टीम ने जांच के दौरान रेत के भंडारण से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की पड़ताल की।

संतोषजनक रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किए जाने पर लगभग 20 ट्रॉली रेत को जब्त कर लिया है। रेत को प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने तक सुपुर्दगी में रखा जाएगा।

पुलिस के साथ माइनिंग विभाग ने चलाया अभियान: महाराजपुरा थाना प्रभारी यशवंत गोयल ने बताया कि क्षेत्र में बिना अनुमति के रेत के फड़ संचालित किए जाने की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थीं। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर माइनिंग विभाग ने पुलिस की मौजूदगी में संयुक्त अभियान चलाकर कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि जब्त सामग्री से संबंधित आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई की जा रही है और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद रेत की सार्वजनिक नीलामी कराई जाएगी।

अवैध भंडारण की लगातार की जा रही निगरानी: अधिकारियों के अनुसार जिले में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध भंडारण के खिलाफ लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

छात्रावास की बदहाली से परेशान छात्राओं ने कलेक्टर से लगाई गुहार, भोजन में कीड़े मिलने का भी दावा

शिवपुरी ■ निसं

ज्ञापन में छात्राओं ने भोजन की गुणवत्ता में सुधार, पानी की टंकियों की नियमित सफाई, प्रत्येक मंजिल पर पर्याप्त शौचालय और स्नानघर, खराब पंखों को बदलने, कूलर लगाने, अधीक्षिका की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

शिवपुरी शहर के टीवी टावर रोड स्थित शासकीय पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास की छात्राओं का सब्र मंगलवार को जवाब दे गया। मूलभूत सुविधाओं के अभाव और प्रबंधन की अनदेखी से परेशान छात्राएं जनसुनवाई में पहुंचीं और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर तत्काल सुधार की मांग की। छात्राओं ने भोजन में कीड़े मिलने, पेयजल की खराब गुणवत्ता, शौचालय और स्नानघर की कमी समेत कई गंभीर समस्याएं उठाईं।

छात्राओं का आरोप है कि छात्रावास अधीक्षिका प्रीति सूर्येश कई-कई दिनों तक छात्रावास नहीं आतीं। उनकी अनुपस्थिति में व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। छात्राओं ने बताया कि नाश्ते और भोजन की गुणवत्ता बेहद खराब है। दाल अत्यधिक पतली परोसी जाती है और सब्जी में कई बार कीड़े निकल आते हैं। शिकायत करने पर समस्या का समाधान करने के बजाय उन्हें डांट-फटकार का सामना करना पड़ता है।

छात्राओं ने बताया कि छात्रावास में शौचालय और स्नान की व्यवस्था भी बेहद खराब है। दूसरी मंजिल पर करीब 50 छात्राएं रहती हैं, लेकिन उनके लिए केवल एक शौचालय उपलब्ध है। सुबह लंबी कतार लगने के कारण कई बार छात्राओं को कक्षाओं के लिए देर हो जाती है। वहीं स्नान के लिए पर्याप्त और सुरक्षित बाथरूम नहीं होने से उन्हें खुले स्थान पर नहाने को मजबूर होना पड़ता है, जिससे उनकी निजता प्रभावित हो रही है।

पेयजल की समस्या भी गंभीर बनी हुई है। छात्रा मनीषा जाटव ने बताया कि छत पर बनी पानी की टंकियों की महीनों से सफाई नहीं हुई है। टंकियों में काई जम गई है और पानी से दुर्गंध आती है। गंदा पानी पीने के कारण छात्राओं में बुखार, उल्टी और पेट दर्द जैसी शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं।

बहन की डोली से पहले उठी भाई की अर्थी

बारातियों के नाश्ते का सामान लेने गया था, भैंस से टकराई बाइक; 14 वर्षीय भीम की मौत

छतरपुर ■ निसं

मध्यप्रदेश के छतरपुर में शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब दुल्हन के 14 वर्षीय छोटे भाई भीम अहिरवार की सड़क हादसे में मौत हो गई। मंगलवार सुबह बहन की विदाई होनी थी, लेकिन उससे पहले ही घर में फेरे रुक गए और डोली की जगह भाई की अर्थी उठने की तैयारी शुरू हो गई।

जानकारी के अनुसार, लवकुशनगर थाना क्षेत्र के बागमऊ गांव में चेतराम अहिरवार की बेटी वंदना की शादी थी। सोमवार रात बारात गांव पहुंची थी और घर में शादी की रस्में चल रही थीं। मंगलवार सुबह सात फेरे और विदाई की तैयारी थी। इसी दौरान बारातियों के नाश्ते और चाय के लिए डिस्पोजल प्लेट और गिलास कम पड़ गए।

परिजनों ने बताया कि सामान लाने के लिए दुल्हन का छोटा भाई भीम बाइक से गांव की दुकान गया था। लौटते समय खेतों के पास उसकी बाइक अचानक सामने आई भैंस से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टर नहीं मिले: घटना के बाद परिजन उसे तत्काल लवकुशनगर अस्पताल लेकर पहुंचे। परिवार का आरोप है कि उस समय अस्पताल में डॉक्टर मौजूद नहीं थे। करीब एक घंटे तक केवल प्राथमिक उपचार ही मिल सका। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे निजी एंबुलेंस से करीब 65 किमी दूर छतरपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चार बहनों का इकलौता भाई था: भीम परिवार में चार बहनों का इकलौता भाई था। परिवार की एक बड़ी बेटी का पहले ही निधन हो चुका है। हाल ही में उसने कक्षा 10वीं की परीक्षा पास की थी और आगे की पढ़ाई की तैयारी कर रहा था।

खबर मिलते ही शादी की रस्में रोकी गईं: हादसे की खबर मिलते ही शादी की रस्में रोक दी गईं। जिस घर में रातभर शहनाइयां गूंज रही थीं, वहां कुछ ही घंटों बाद सन्नाटा पसर गया। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का कहना है कि समय पर बेहतर इलाज और एंबुलेंस सुविधा मिलती तो शायद भीम की जान बचाई जा सकती थी।

अनमोल वचन

> मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।
> **चाणक्य**
>
> बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
> **धीरूभाई अंबानी**

सम्पादकीय

1948 के राजनीति की झलक 2026 में

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जो अभिनेता से नेता बने थलापति विजय ने तमिलनाडु की राजनीति में नई शुरुआत की है। 1948 से 1952 में जिस तरह की राजनीति देश में हो रही थी, उसकी यादों को ताजा कर रही है। तमिलनाडु में विजय की पार्टी टीवीके को कांग्रेस ने समर्थन दिया है। तमिलनाडु सरकार में कांग्रेस पार्टी का एक मंत्री भी है। तमिलनाडु में कांग्रेस का कोई विशेष वर्चस्व नहीं है। केंद्रीय राजनीति में कांग्रेस एक महत्वपूर्ण भूमिका में है। आज भी कांग्रेस पार्टी का सीधा मुकाबला 300 लोकसभा सीटों पर भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों के साथ होता है। वर्तमान की राजनीति में जिस तरह से राजनीतिक दलों के बीच में वैमनष्य देखने को मिलता है, जिस तरह की असुरक्षा की भावना देखने को मिलती है। सत्ता में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता मिले इसके लिए राजनीतिक दल हर संभव प्रयास करते हैं इसके विपरीत तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने राज्यसभा की दो सीटें सहयोगी दल कांग्रेस को देने का फैसला किया है। उनका मानना है, उनकी पार्टी केंद्र की राजनीति में कांग्रेस के साथ सहयोग करके तमिलनाडु के हितों का संरक्षण ज्यादा अच्छे तरीके से कर सकती है। दो सांसद उनकी पार्टी के राज्यसभा में चले भी गए, तो वह तमिलनाडु का पक्ष सशक्त तरीके से नहीं रख सकते हैं जितने सशक्त तरीके से कांग्रेस उनकी लड़ाई केंद्र में लोकसभा और राज्यसभा में लड़ सकती है। गठबंधन की राजनीति में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का यह निर्णय, स्वतंत्रता के पश्चात अनूठा है। जब संविधान सभा और केंद्रीय मंत्रिमंडल का निर्माण हो रहा था, उस समय कांग्रेस पार्टी ने सभी समुदाय और सभी राजनीतिक दलों के लोगों को संविधान सभा और मंत्रिमंडल में स्थान देकर मजबूत संविधान और मजबूत सरकार बनाने का काम किया था। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने मंत्रिमंडल में अपने विरोधी और अन्य विचारधारा के लोगों को भी शामिल करके स्वतंत्रता के पश्चात समन्वय की राजनीति का मार्ग अपनाया था। वही मार्ग 2026 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा अपनाया गया है। वर्तमान में एनडीए गठबंधन और इंडिया गठबंधन के रूप में देश के अधिकांश राजनीतिक दल गठबंधन की राजनीति में शामिल हैं। क्षेत्रीय दल एक-एक सीट के लिए अपनी मजबूत दावेदारी रखते हैं। ऐसी स्थिति में तमिलनाडु की राजनीति में मुख्यमंत्री थलापति विजय ने कांग्रेस को राज्यसभा की रिक्त दो सीटें देकर गठबंधन की राजनीति को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है। राज्य की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का बहुत बड़ा योगदान होता है। क्षेत्रीय राजनीति में भाषा संस्कृति तथा आम जनता के साथ उनका जुड़ाव गहरा होता है। लेकिन केंद्रीय राजनीति में राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार को निर्णय करने पड़ते हैं। संघीय व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्यों के बीच संबंध बेहतर हों। पिछले एक दशक में इस स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। मोदी सरकार के अस्तित्व में आते ही योजना मंडल को भंग कर दिया गया था। उसके स्थान पर नीति आयोग बनाया गया, नीति आयोग जिस तरीके से काम कर रहा है। उसके बाद से राज्य सरकारें आरोप लगाती रही हैं, केंद्र सरकार उनके साथ न्याय नहीं कर रही है। मनमाने तरीके से संसाधन और धन का बंटवारा किया जा रहा है। जिन राज्यों में गैर भाजपा की सरकारें हैं उनके साथ भेदभाव की शिकायत बढ़ती चली जा रही है। जिस तरह से जाति और धर्म के आधार पर राजनीति हो रही है, उसमें राज्यों के साथ केंद्र सरकार की दूरियां बढ़ रही है। रही सही कसर राज्यपालों ने पूरी कर दी है। राज्य विधानसभा द्वारा लिए गए निर्णय और कानूनों का पालन राज्यपाल नहीं होने देते हैं। एक समानांतर सत्ता राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच में गैर भाजपाई शासित राज्यों में देखने को मिलती है। ऐसी स्थिति में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने भारतीय राजनीति में एक बार फिर दशकों पुरानी राजनीति को स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। अपने सहयोगी दल कांग्रेस, जो केंद्र में एक प्रभावी भूमिका में है, उस पार्टी को राज्यसभा की 2 रिक्त सीट देकर, स्वार्थ की राजनीति से इतर विश्वास का नया मार्ग चुना है। उसकी सारे देश में अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। क्षेत्रीय दल 1990 के दशक के बाद से महत्वपूर्ण भूमिका में आये हुए हैं। केंद्रीय राजनीति में जो भूमिका क्षेत्रीय दलों की होनी चाहिए थी, उसका स्थान सीमित होकर रह गया है। तमिलनाडु से अब बदलाव की एक बयार बही है। अपने सहयोगी दल कांग्रेस पर जो विश्वास मुख्यमंत्री ने किया है उस विश्वास पर कांग्रेस सही उतरे। डीएमके और अन्ना डीएमके का पिछले पांच दशक से मजबूती के साथ तमिलनाडु की राजनीति में वर्चस्व था। बहुत समय के बाद अभिनेता से राजनेता बने विजय तमिलनाडु की जनता के विश्वास का केंद्र बने हैं। कांग्रेस राष्ट्रीय विचारधारा का पोषण करती है, सभी पक्षों को साथ लेकर चलती है। ऐसी स्थिति में तमिलनाडु से जो परिवर्तन देखने को मिल रहा है वह भारत की राजनीति को एक नई दिशा दे सकता है। इस बात की संभावनाएं बनी हैं। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रहती है। क्षेत्रीय दल इंडिया गठबंधन में शामिल है। गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों को भाजपा से लड़ना है। इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दल भाजपा के स्थान पर कांग्रेस से ज्यादा लड़ते हुए नजर आते हैं। तमिलनाडु की राजनीति में डीएमके के साथ कांग्रेस राजनीति कर रही थी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। विजय की पार्टी को सबसे ज्यादा सीटों पर विजय प्राप्त हुई। गैर भाजपा की सरकार बनाने के लिए कांग्रेस ने उन्हें समर्थन दिया। इससे डीएमके नाराज हो गई। कांग्रेस के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं था। कांग्रेस विजय को समर्थन नहीं देती ऐसी स्थिति में भाजपा वहां अन्ना डीएमके के साथ मिलकर एनडीए की सरकार बनाना चाहती थी। स्टालिन को यह बात समझनी चाहिए। राजनीति में बहुत सारे निर्णय समय और परिस्थिति को देखकर लिए जाते हैं। जिस तरह से स्टालिन ने इंडिया गठबंधन से दूरी बनाई है, इससे ऐसा लगता है कि क्षेत्रीय राजनीति में स्टालिन विजय से डरे हुए हैं। तमिलनाडु की राजनीति को ध्यान में रखते हुए स्टालिन ने इंडिया गठबंधन से दूरी बनाकर एक बड़ी राजनीतिक गलती की है। यही कहा जा सकता है।

चिंतन-मनन

सच्चे साधु की पहचान

महात्मा बुद्ध ने अपने शिष्यों को दीक्षा देने के बाद कहा,तुम जहां भी जाओगे, वहां तुम्हें अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के लोग मिलेंगे। अच्छे लोग तुम्हारी बातें सुनेंगे और सहायता करेंगे। बुरे लोग तुम्हारी निंदा करेंगे और गालियां देंगे। तब तुम्हें कैसा लगेगा? एक गुणी शिष्य ने कहा,मैं किसी को बुरा नहीं समझता। कोई मेरी निंदा करेगा या मुझे गालियां देगा तो मैं समझूंगा कि वह भला व्यक्ति है क्योंकि उसने मुझे सिर्फ गालियां ही दीं, मुझ पर धूल तो नहीं फेंकी। बुद्ध ने पूछा,और यदि कोई तुम पर धूल फेंक दे तो? मैं उसे भला ही कहूंगा क्योंकि उसने धूल ही तो फेंकी, थप्पड़ तो नहीं मारा। और यदि कोई थप्पड़ मार दे तो क्या करोगे?मैं उन्हें बुरा नहीं कहूंगा क्योंकि उन्होंने मुझे थप्पड़ ही मारा, डंडा तो नहीं मारा। और कोई डंडा मार दे तो? मैं उसे धन्यवाद दूंगा क्योंकि उसने मुझे केवल डंडे से ही मारा, हथियार से नहीं।लेकिन मार्ग में तुम्हें डाकू भी मिल सकते हैं जो तुम पर घातक हथियार से प्रहार कर सकते हैं। तो क्या? मैं तो उन्हें दयालु ही समझूंगा, क्योंकि वे मारते ही हैं, मार नहीं डालते और यदि वे तुम्हें मार ही डालें तो? शिष्य बोला,इस जीवन और संसार में केवल दुख ही है। जितना अधिक जीवित रहूंगा उतना दुख देखना पड़ेगा। जीवन से मुक्ति के लिए आत्महत्या करना तो महापाप है। शिष्य के वचन सुनकर बुद्ध बोले-तुम धन्य हो। वास्तव में तुम सच्चे साधु हो। सच्चा साधु किसी भी दशा में दूसरे को बुरा नहीं समझता। जो दूसरों में बुराई नहीं देखता, वही सच्चा परिव्राजक होने के योग्य है। मुझे विश्वास है तुम सदैव धर्म के मार्ग पर चलोगे।

नेहरू की भारत की 'खोज' से मोदी के भारत में 'विश्वास' तक

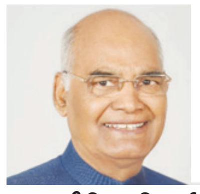

राम नाथ कोविंद

> *राजनीतिक विमर्श के क्षेत्र में, डॉ. अंबेडकर ने 25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में अपने समापन भाषण में ऐतिहासिक और विद्वतापूर्ण वक्तव्य दिया था कि संसदीय लोकतंत्र के तत्व बौद्ध संस्थाओं में पाए जाते हैं, जो दो हजार पांच सौ साल पुराने हैं। उन बौद्ध संस्थाओं ने उस समय प्रचलित राजनीतिक संस्थाओं से लोकतांत्रिक प्रथाओं को अपनाया होगा। इस संबोधन के बावजूद हमारे छात्रों और न्यायविदों को यह विश्वास कराया गया कि हमारा लोकतंत्र पश्चिमी देशों से लिया गया है। पीएम मोदी वैश्विक मंचों पर यह कहते रहे हैं कि भारत लोकतंत्र की जननी है।*

स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद भारतीय इतिहास में 10 जून, 2026एक विशेष अवसर को रेखांकित करता है। इस तारीख को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जवाहरलाल नेहरू को पीछे छोड़ते हुए भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड बनाया। इस बात का अपने आप में एक ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन पीएम मोदी का नेहरू से लंबा कार्यकाल,आज़ादी के बाद के भारत के इस निर्णायक कालखंड के अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को नहीं दर्शाता है।

26 मई, 2014 से, भारतीय राजनीति में एक निर्णायक बदलाव आया, जो महात्मा गांधी, सरदार पटेल, बाबासाहेब अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सी. राजगोपालाचारी, के.एम. मुंशी और आधुनिक भारत के कई अन्य निर्माताओं द्वारा समर्थित भारतीयत्व की दिशा में है, जिन्होंने अपनी धरोहर और विरासत पर आत्मगौरव की गहरी भावना के साथप्राचीन भारतीय संस्कृति और सभ्यता की पुनर्कल्पना की थी। आर्थिक विकास के क्षेत्र में, पीएम मोदी ने समावेश के साथ राजाजी के मॉडल को आगे बढ़ाया है। जैसा कि हम जानते हैं, राजाजी ने नेहरूकी राजनीतिक अर्थव्यवस्था से जुड़े 'आदेश और नियंत्रण' मॉडल की कड़ी आलोचना की थी, जिसके परिणामस्वरूप 'कोटा, परमिट और लाइसेंस राज'पैदा हुआ था।

राजनीतिक विमर्श के क्षेत्र में, डॉ. अंबेडकर ने 25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में अपने समापन भाषण में ऐतिहासिक और विद्वतापूर्ण वक्तव्य दिया था कि संसदीय लोकतंत्र के तत्व बौद्ध संस्थाओं में पाए जाते हैं, जो दो हजार पांच सौ साल पुराने हैं। उन बौद्ध संस्थाओं ने उस समय प्रचलित राजनीतिक संस्थाओं से लोकतांत्रिक प्रथाओं को अपनाया होगा। इस संबोधन के बावजूद हमारे छात्रों और न्यायविदों को यह विश्वास कराया गया कि हमारा लोकतंत्र पश्चिमी देशों से लिया गया है। पीएम मोदी वैश्विक मंचों पर यह कहते रहे हैं कि भारत लोकतंत्र की जननी है। उन्होंने विभिन्न अवसरों पर प्राचीन भारतीय लोकतांत्रिक लोकाचारों और प्रथाओं का उल्लेख किया है। विश्व इस तथ्य के प्रति जागरूक हो रहा है कि भारत न केवल सबसे प्राचीन है,बल्कि सबसे बड़ा और सबसे जीवंत लोकतंत्र भी है।

भारत के लगभग 100 करोड़ मतदाताओं का विशाल आकार शेष दुनिया के लिए एक चकित करने वाली परिघटना है। इसके साथ ही, मतदाताओं की संख्या आज़ादी के समय की भारत की कुल आबादी से लगभग तीन गुनी ज़्यादा हो गयी है।इस विशाल आकार के साथ चुनावी व्यवस्था की बढ़ती जटिलता भी जुड़ गई है। 2024 के आम चुनाव में 744 राजनीतिक दलों ने भाग लिया, जबकि 1951-52 के आम चुनाव में केवल 53 दलों ने हिस्सा लिया था। जवाहरलाल नेहरू के समय की तुलना में लोगों की आकांक्षाएं और निगरानी गुणात्मक रूप से बढ़ गई है। ऐसी बढ़ती उम्मीदों के अनुसार खुद को साबित करना और लोगों के साथ विश्वास का मजबूत संबंध बनाए रखना प्रधानमंत्री मोदी की असाधारण सफलता है, जिनकी स्वीकृति दर लगातार ऊंची रही है, जबकि जवाहरलाल नेहरू को अपने कार्यकाल के दौरान अपने कद और लोकप्रियता में भारी गिरावट देखना पड़ा था।1950 और 1960 के दशकों के दौरान और यहां तक कि 1970 तक, दुनिया भर में कई लोकतांत्रिक रूप से चुने गए राजनेताओं का कार्यकाल लंबा रहा था। 21वीं सदी की दुनिया में राजनीतिक नेताओं का कार्यकाल अपेक्षाकृत छोटा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी इस वैश्विक रुझान के एक अपवाद रहे हैं। सही कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति सशक्त और सम्माननीय नहीं बन सकता, यदि उसमें आत्मसम्मान की कमी है। भारत की गाथा में कई शताब्दियों से सभ्यतागत और सांस्कृतिक उत्कृष्टता समाहित रही है। हालांकि, औपनिवेशिक शासकों द्वारा देशवासियों में डाली गई हीनता की भावना स्वतंत्रता के बाद भी जारी रही। स्वतंत्रता के बाद भी कई औपनिवेशिक प्रथाएं निरंतर जारी रहीं और यहां तक कि उनका महिमामंडन भी होता रहा। एक छोटा-सा अभिजात्य समुदाय बनाया गया, जिसने थॉमस बैबिंगटन मैकॉले के विचारों और आदर्शों को कायम रखा। स्वतंत्रता के बाद के दशकों में अंग्रेजी को शक्ति की भाषा के रूप में बढ़ावा दिया गया। नेहरू युग और उसके तत्काल बाद के समय में भारत की अधिकांश चीजों को लेकर अभिजात्य वर्ग में शर्मिंदगी की भावना देखने को मिली। भारतीय भाषाओं में बोलने, काम करने या अपने विचार व्यक्त करने वाले लोगों को नीची नजर से देखा जाता था। प्राचीन भारतीय परंपराओं में निहित सांस्कृतिक प्रथाओं और प्रतीकों की उपेक्षा की गई और विदेशी भूमि में विकसित विचारधाराओं और प्रथाओं को स्वीकार किया गया।भारतीय परंपराओं की जैविक निरंतरता और विकास की कमी के कारण आत्मविश्वास और नवाचार की कमी हुई। पीएम मोदी ने भारतीय भाषाओं, प्रणालियों, प्रतीकों और विश्वास प्रणालियों को सामने रखा। लोगों में भारतीय होने और भारतीयता व्यक्त करने मेंगर्व की भावना दिखाई पड़ती है। कई देशों की मेरी यात्राओं के दौरान, भारतीय मूल के कई लोगों ने मेरे साथ गर्व की इस नई भावना को साझा किया। अंग्रेजी भाषा के एक प्रमुख राष्ट्रीय दैनिक द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने मानसिक उपनिवेशवाद को 2035 तक समाप्त करने के लक्ष्य की बात कही। नवंबर 2025 में आयोजित इस कार्यक्रम में, पीएम मोदी ने भारत के लोगों से मैकाले की विरासत में निहित औपनिवेशिक मानसिकता का त्यागकरने के लिए 10 साल की राष्ट्रीय प्रतिज्ञा लेने का आग्रह किया। उन्होंने बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि भारत केवल एक उभरता हुआ बाजार नहीं है, यह एक आत्मविश्वासी नए मॉडल के रूप में उभर रहा है।

स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद देश के पहले दशक और पिछले 12 वर्षों के बीच का अंतर एक बड़े बदलाव से परिलक्षित होता है। नेहरू काल की विशेषता सांस्कृतिक और आर्थिक स्तर पर पश्चिम से मंज़ूरीऔर सहायता पाने की उत्सुकता थी। मोदी के वर्षों की विशेषता एक मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था में आत्मविश्वास है, जो गंभीर वैश्विक व्यवधानों का सामना करने में सक्षम है। मोदी युग की विशेषता यह भी है कि लोगों में भारतीय भाषाओं, सांस्कृतिक प्रतीकों, मूल्यों और परंपराओं के प्रति गर्व की मजबूत भावना है।

एक युवा लेकिन बहुत जानकार लड़के, जो इत्तेफ़ाक से हमारा रिश्तेदार है, ने एक बयान दिया, जो उसकी तीव्र बुद्धि और उसकी पीढ़ी के सोच को दर्शाता है।उसने मुझसे कहा कि मैं नेहरू के भारत में बड़ा हुआ हूँ, लेकिन मोदी के भारत में विकास कर रहा हूँ। लड़के ने यह भी मुझे समझाया कि उसकी पीढ़ी इस कारण बेहतर स्थिति में है।

(लेखक भारत के पूर्व राष्ट्रपति हैं।)

मोदी ने बदला राजनीति का व्याकरण शासन में एक और नया रिकॉर्ड बनाते हुए

अजय सिंह

> *उस समय के पारंपरिक राजनेताओं के उलट, उनके पास समर्थन करने के लिए कोई राजनीतिक या अभिजात्य पृष्ठभूमि नहीं थी। हैरो, ऑक्सफोर्ड, कोलंबिया या हार्वर्ड जैसे विश्वविद्यालयों से पढ़े-लिखे छात्रों के विशिष्ट समूह विश्व भर में सम्मान की दृष्टि से देखे जाते थे। सर विंस्टन चर्चिल और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को 'हैरो बॉयज़' के नाम से जाना जाता था। वे एक ही भाषा बोलते थे और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अभिजात वर्ग के समान सौहार्द साझा करते थे।*

जब नरेंद्र मोदी देश के सबसे लंबे समय तक लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री बनेंगे, तो यह महज़ एक उपलब्धि या कार्यकाल की रिकॉर्ड अवधि को पार करने से कहीं अधिक होगा। समय की भावना को मात्र आंकड़ों में नहीं समेटा जा सकता और इसी लिहाज़ से वे भारत की प्रतिभा का प्रतीक हैं। अपने सार्वजनिक जीवन में उन्होंने साधारण से असाधारण होने तक का सफर तय किया है। उनकी यात्रा एक साधारण आरएसएस कार्यकर्ता के रूप में शुरू हुई, जिन्होंने संघ परिवार से प्रेरणा ली। 1950 और 60 के दशक में, उन्होंने एक ऐसी विचारधारा का समर्थन किया, जो उस समय उनके गृह राज्य गुजरात में सबसे कम प्रचलित थी। उस समय के पारंपरिक राजनेताओं के उलट, उनके पास समर्थन करने के लिए कोई राजनीतिक या अभिजात्य पृष्ठभूमि नहीं थी। हैरो, ऑक्सफोर्ड, कोलंबिया या हार्वर्ड जैसे विश्वविद्यालयों से पढ़े-लिखे छात्रों के विशिष्ट समूह विश्व भर में सम्मान की दृष्टि से देखे जाते थे। सर विंस्टन चर्चिल और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को 'हैरो बॉयज़' के नाम से जाना जाता था। वे एक ही भाषा बोलते थे और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अभिजात वर्ग के समान सौहार्द साझा करते थे। मोदी इन सभी विचारधाराओं को पूरी तरह से गलत साबित करते हैं।

देश भर के आम लोगों से बातचीत करके उन्होंने जो जमीनी अनुभव हासिल किया, उससे उन्हें भारत के समाज, लोगों की चिंताओं और आकांक्षाओं की असाधारण समझ मिली। उन्होंने पेशे के तौर पर राजनीति को चुना और इसे अपने वैचारिक लक्ष्य के अनुरूप ढाला। उनके इस मिशन में उनकी दो ताकतवर खूबियों ने उनकी बहुत मदद की, व्यक्तिगत जीवन में उनका संयम और सार्वजनिक आचरण में उनका व्यावहारिक दृष्टिकोण।

वे विरोधाभासों को बड़ी सहजता से संभालते हैं। उदाहरण के लिए, गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में, मोदी ने सब्सिडी पर निर्भर न रहने वाले विकास मॉडल को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने महामारी के प्रकोप के बाद देश को भुखमरी से बचाने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम शुरू किया। उनकी सामाजिक आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी बीमा योजनाएं समाज के सबसे कमजोर वर्गों को कवर करती हैं और लोगों की सबसे जरूरी चिंताओं- रोटी, कपड़ा और मकान, साथ ही स्वास्थ्य का भी समाधान करती हैं। इन चिंताओं को 1960 के दशक की शुरुआत से लेकर हाल तक समाजवादियों ने राजनीतिक नारों के रूप में प्रचारित किया। आज के भारत में, ऐसे नारे व्यावहारिक रूप से अप्रासंगिक हो गए हैं।

दरअसल, मोदी ने देश की राजनीति को एक बिल्कुल नए ढंग से परिभाषित किया है। दशकों से देश को परेशान करने वाले मुद्दे अब इतिहास के पाठ्यक्रम का हिस्सा बन चुके हैं। वर्तमान में अयोध्या अब एक भव्य मंदिर की छवि प्रस्तुत करता है, न कि मंदिर-मस्जिद विवाद के स्थल की। देश भर में हिंदू मंदिरों का उनके प्राचीन वैभव में जीर्णोद्धार, सांस्कृतिक एकता का सशक्त संदेश देता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि इस जीर्णोद्धार का सपना महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद देश के दौरे के दौरान देखा था। कांग्रेस में गांधी के अनुयायियों ने उन्हें निराश किया, लेकिन मोदी ने उस सपने को साकार किया।

जम्मू और कश्मीर की स्थिति देश की आजादी के बाद से ही एक नासूर की तरह बनी हुई थी। राजनीतिक अनिश्चितता ने मुस्लिम बहुल घाटी में अलगाववाद और उग्रवाद को बढ़ावा दिया। 2014 से पहले, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने कई प्रस्ताव पारित किए, जिनमें राज्य को 1953 से पहले की स्थिति में बहाल करने की मांग की गई थी, जो भारतीय संविधान के दायरे से बाहर था। एक झटके में, राज्य को दो भागों में बांटकर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया, जिससे अनुच्छेद 370 अतीत का एक अप्रासंगिक अवशेष बन गया। और इस तरह अलगाववाद का भूत झेलम नदी में गाद की तरह गहराई में दफन हो गया। इस क्षेत्र के लोगों में राष्ट्र के शेष भाग के साथ पूर्ण और बिना शर्त एकीकरण की गहरी इच्छा है। यही बात उत्तर-पूर्वी राज्यों पर भी लागू होती है, जो कुछ समय पहले तक उग्रवाद और हिंसा से ग्रस्त थे।

ऐसा लगता है कि मोदी ने अनजाने में ही गणित का एक सबक सीख लिया है: आप उस मानसिकता से समस्या का समाधान नहीं कर सकते, जिसने उसे जन्म दिया है। उन्होंने देश की राजनीतिक सोच को पूरी तरह बदल दिया और उसे एक अपरिवर्तनीय राह पर डाल दिया। सार्वजनिक जीवन के संचालन में इस तरह के बड़े बदलावों से तीव्र प्रतिक्रियाएँ आना स्वाभाविक है। यही वजह है कि मोदी को प्रशंसा से अधिक अक्सर आलोचनाएँ मिलती हैं। लेकिन वे अपने संकल्पों पर अडिग और दृढ़ बने हुए हैं।

अपने 24 वर्षों के शासनकाल में, पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और बाद में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में, मोदी ने अभूतपूर्व संकटों की पूरी श्रृंखला का सामना किया है, जो प्राकृतिक और राजनीतिक दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण थे। गुजरात में कार्यपालिका प्रमुख के रूप में उनके 13 वर्षों के कार्यकाल में उन्हें एक दशक (2004-2014) तक यूपीए की शत्रुतापूर्ण केंद्र सरकार का सामना करना पड़ा, जिसने राज्य को लगभग एक विरोधी के रूप में माना। उन्हें मनगढ़ंत आपराधिक मामलों में फंसाने के लिए सुनियोजित प्रयास किए गए। इसी तरह, प्रधानमंत्री के रूप में उनके वर्तमान कार्यकाल में मानव इतिहास के सबसे भीषण संकटों में से एक, महामारी का सामना करना पड़ा।

नरेन्द्र मोदी का युग

सुहेल सेठ

नरेन्द्र मोदी अनजाने में ही रॉबर्ट फ्रॉस्ट के इस कथनपर भरोसा करते नजर आते हैं कि- उन्होंने कम इस्तेमाल होने वाला रास्ता चुना और शायद इसी से सारा फर्क पड़ा। जवाहरलाल नेहरू और नरेन्द्र मोदी के रूप में भारत के प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व के दो अलग-अलग युगों काप्रतिनिधित्व होता है।इनमें से प्रत्येक युग को उनकी सीमाओं, पसंदगियों और महत्वाकांक्षाओं के आधार पर परिभाषित किया जाता है।नेहरू ने जहां एक नाजुक एवंनवगठित संप्रभु राष्ट्र की अगुवाई की, वहींमोदी ने वैश्विक झटकों से जूझते हुए एक विशाल, डिजिटल रूप से जुड़े एवंअति-प्रतिस्पर्धी लोकतंत्र केशासन को संभाला है। दोनों नेताओं की नेतृत्व शैली मेंअंतर इस तथ्य को दर्शाता है कि भारत की शासन संबंधी जरूरतें किस कदर बढ़ी हैं - और क्यों मोदी का कार्यकाल राज्य की क्षमता, समावेशन, बुनियादी ढांचे, कूटनीति और कार्यान्वयन की दृष्टि से कहीं अधिक प्रभावशाली रहा है। नेहरू का शासन संबंधी दर्शन ऊपर से नीचे की ओर संस्थाओं के निर्माण और राज्य-निर्देशित अर्थव्यवस्था पर केन्द्रित था।विभाजन की विभीषिका के बाद खुद को सहेजकर फिर सेएकजुट होने वाले एक राष्ट्र की दृष्टि से यह तरीका सही था।फिर भी, इस तरीके ने एक ऐसे केन्द्रीकृत नियंत्रण को भी स्थापित किया जिसने अक्सर नागरिकों को भागीदार के बजाय प्राप्तकर्ता के रूप में रखा। मोदी का दृष्टिकोण उस तरीके को उलट देता है और शासन को गरिमा एवंकार्यान्वयन द्वारा संचालित एक जन आंदोलन - 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' - के रूप में स्थापित करता है।बैंक खातों, डीबीटी, किफायती गैस कनेक्शन, आवास, शौचालय, तेज गति से सड़क निर्माण और डिजिटल कल्याणकारी योजनाओं जैसी नीचे से ऊपर की ओर जाने वाली यह लामबंदीराज्य से मिलने वाले फायदों को परिवार के स्तर पर दृश्यमान बनाती है, जिससे परिणामों के साथ-साथ भरोसा भी बढ़ता है। आकार ही दोनों नेताओं के कार्यकालों के बीच का मुख्य अंतर है।नेहरू ने जिस समय पदभार संभाला तब भारत की आबादी लगभग 34 करोड़ और दलीय प्रतिस्पर्धा नगण्य थी।मोदी के सत्ता संभालने के वक्त देश की आबादी 131 करोड़ से अधिक और एक ऐसी दलीय प्रणाली सामने थी जिसमें हजारों पंजीकृत संस्थाओं का अस्तित्व था और आम चुनाव के मतपत्रों में सैकड़ों संस्थाओं की मौजूदगी थी।भारत के पहले आम चुनाव में लगभग 17 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया था। जबकि,2014 में मतदाताओं की तादाद 83 करोड़ से अधिक हो गई थी तथा 2024 तक इसमें और भी बढ़ोतरी हुई। मोदी को बार-बार राष्ट्रीय जनादेश इस तीखे विखराव और चौबीसों घंटे सातों दिन डिजिटल निगरानी के बावजूद हासिल हुए हैं।पल-पल की डिजिटल निगरानी वाला मीडिया का यह माहौल नेहरू काल कीसंस्था-आधारित वप्रिंट-युग की राजनीति से बिल्कुल ही अलग है।निरंतर ऑनलाइन आलोचनाओं के बीच शासन चलाने से जवाबदेही और कथनात्मक प्रतिस्पर्धा की गति तेज हो जाती है। तीन लोकसभा चुनावों के दौरान मोदी का चुनावी रूप से केन्द्र में बने रहना - और कई परिवारों के तीन पीढ़ियों के जेहन मेंप्रासंगिक बने रहना - नेटवर्क के इस युग में उनकी असाधारण राजनीतिक स्थिरता को दर्शाता है। आर्थिक दृष्टि से, नेहरू के मॉडल ने आधारभूत उद्योगों और वैज्ञानिक संस्थानों को तराशा, लेकिन आखिरकार यह 3 - 4 प्रतिशत के आसपास की 'हिंदू विकास दर' के रूप में जानी जाने वाली दर पर स्थिर हो गया।मोदी की अगुवाई वाला भारत वैश्विक विकास के इंजन के रूप में काम कर रहा है।

खास बात

ममता को भाजपा ने गंभीरता से लिया

जब विधानसभा के चुनाव चल रहे थे।उस समय ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को चेतावनी दी थी। चुनाव के बाद वह दिल्ली की सत्ता से मोदी- साह को सत्ता से बाहर करेंगी.उनकी चेतावनी को भाजपा ने गंभीरता से लिया। जैसे ही विधानसभा का चुनाव खत्म हुआ। उसके बाद केंद्र सरकार ने वहां पर 2 लाख से अधिक केंद्रीय सुरक्षा बल के जवानों को तैनात कर ममता बनर्जी की पार्टी को ही खत्म करने का काम शुरू कर दिया है। जनता के नाम पर भाजपा के कार्यकर्ता टीएमसी के नेताओं को पीट रहे हैं। ममता बनर्जी को अब समझ में नहीं आ रहा है। वह अपने आप को कैसे बचाएं। राजनीति में इस तरह की धमकी खुलेआम तभी दी जाती है।

मानसून सत्र के पहले की महाभारत

अगले महीने मानसून सत्र शुरू हो जाएगा। मानसून सत्र में विपक्ष सरकार के लिए कोई खतरा बने, इसके पहले ही सरकार ने विपक्षी दलों की घेराबंदी करना शुरू कर दी है। इसे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच की महाभारत की संज्ञा दी जा रही है। टीएमसी के सांसदों को तोड़ने के लिए भाजपा ने अपना जाल फैला दिया है। एक-एक करके टीएमसी के सांसद भाजपा के जाल में फंसते चले जा रहे हैं। कहा जा रहा है, लोकसभा और राज्यसभा के लगभग 33 सांसद भाजपा के जाल में फसने जा रहे हैं। केंद्र सरकार में मोदी शाह की जोड़ी कोई भी रिस्क लेने तैयार नहीं है। तमिलनाडु में डीएमके को इंडिया गठबंधन से अलग कर दिया है। आम आदमी पार्टी के सांसद पहले ही तोड़ लिए गए हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार ने अपने आप को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने का काम कर लिया है। 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी बने रहेंगे। अब इसमें कोई शंका नहीं रहेगी। नरेंद्र मोदी शतायु होंगे यह विश्वास बीजेपी के नेताओं को है।

एक साथ सैकड़ो मोर्चे पर लड़ रही है भाजपा?

पश्चिम बंगाल हो,बिहार हो या झारखंड हो।देश के सभी हिस्से में भाजपा ने एक साथ कई मोर्चे पर विपक्षी दलों के साथ लड़ाई शुरू कर दी है।बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री रावडी देवी को घर से बाहर निकलने का निर्णय लिया है। रावडी देवी और लालू यादव की सुरक्षा हटा ली गई है। इसके पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा में कटौती कर दी। भाजपा दिखाना चाहती है, उनसे ज्यादा ताकतवर कोई नहीं है। अश्वमेध के इस यज्ञ में जीत बीजेपी की ही होगी। ऐसी स्थिति में अब तेजस्वी यादव ने भी अपनी सुरक्षा व्यवस्था वापस कर दी है।लालू परिवार बिना किसी सुरक्षा के भाजपा को चुनौती देने सड़कों पर है। यादव परिवार का मानना है, मरेंगे तो शहीद होंगे। जिंदा रह गए तो राज करेंगे। भाजपा को लगता है, यह उनका सबसे अच्छा समय है। सभी विरोधियों को समाप्त कर सकते हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, द्वितीय ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, दसवी, बुधवार, रेवती नक्षत्रे, सौभाग्य योगे, वल करणे, मीन की चंद्रमा, भद्रा 7/4 पंचक समाप्त 3/45 जातकर्म, नामाकरण, अन्नप्रासन, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ फलप्रद होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, उत्तम व्रतधारी, सफल नायक, वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, योगी-भोगी, आत्म निरीक्षणकर्ता, उद्योग स्थापन करने वाला, व्यावसायी, धनी वक्ता-अधिवक्ता होगा।

मेष राशि- आशानुकूल सफलता से संतोष तथा कुछ सफलता के साधन बनेंगे।

वृष राशि- समय आराम से बीते, व्यवसायिक क्षमता का ध्यान अवश्य ही रख सकेंगे।

मिथुन राशि- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा किन्तु इष्ट मित्रों से परेशानी होगी।

कर्क राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक हों, कुटुम्ब की समस्याएं सुलझेंगी, धैर्य से कार्य करेंगे।

सिंह राशि- प्रतिष्ठा वृद्धि एवं बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, स्थिति हर्षप्रद बनी रहेगी।

कन्या राशि- संघर्ष में सफलता से संतोष, व्यवसायिक क्षमता में अनुकूलता बनी रहेगी।

तुला राशि- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, कार्यक्षमता बढ़े, समाज में प्रतिष्ठा के योग बनेंगे।

वृश्चिक राशि- सामाजिक कार्यों में सुधार, कार्यगति में अनुकूलता, इष्ट मित्र सुखवर्धक हों।

धनु राशि- अचानक कोई शुभ समाचार प्राप्त हो, कार्यगति में सुधार होगा, समय का ध्यान रखें।

मकर राशि- स्थिति यथावत रखें, समय पर सोचे कार्य पूर्ण होंगे, कार्य में सुधार हो।

कुंभ राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, शरीर कष्ट, चिन्ता असमंजस की स्थिति बने।

मीन राशि- इष्ट मित्र सहायक रहेंगे, दैनिक कार्यगति अनुकूल बनी ही रहेगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

10 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.39 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	07.52 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.08 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.20 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.31 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.46 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.02 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.07 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.53 बजे से
राहुकाल		मीन	00.26 बजे से
12.00 से 1.30		मेष	01.57 बजे से
बजे तक		वृष	03.37 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 161 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 09.22 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 06.30 बजे तदनन्तर सौभाग्य 04.03 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 13.53 बजे तदनन्तर विष्टि 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 00' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872736 **जूलियन दिन** 2461201.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 24

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से 07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44	बजे तक
काल	08.15 से 10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47	बजे तक	चर	10.16 से 11.47	बजे तक
रोग	11.47 से 01.16	बजे तक	रोग	11.47 से 01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44	बजे तक	काल	01.19 से 02.51	बजे तक
चर	02.44 से 04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अक्सर वायरल संक्रमण के कारण होता है हेपेटाइटिस

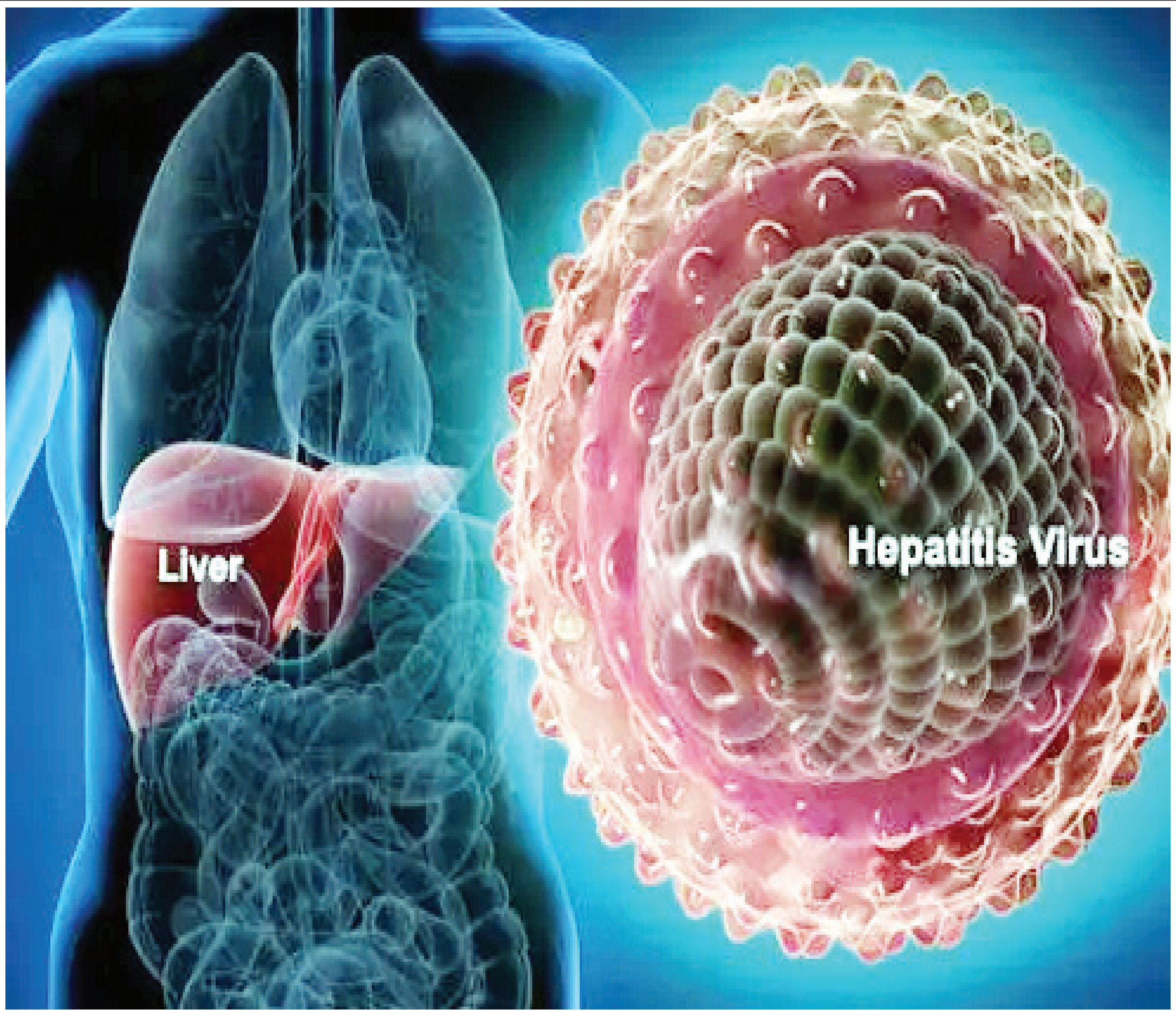

हेपेटाइटिस लिवर की सूजन है, जो अक्सर वायरल संक्रमण के कारण होती है। यह बीमारी लिवर कैंसर, लिवर फेलियर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। जानकारों के अनुसार, हेपेटाइटिस दो प्रकार का होता है। एक्यूट हेपेटाइटिस जिसमें लक्षण अचानक प्रकट होते हैं और यह आमतौर पर छह महीने के भीतर ठीक हो जाता है। इसके लक्षणों में बुखार, थकान, पेट दर्द कुछ दिनों या हफ्तों तक होते हैं। दूसरा क्रॉनिक हेपेटाइटिस है, जो छह महीने से अधिक समय तक बना रहता है और धीरे-धीरे लिवर को नुकसान पहुंचाता है। यदि समय पर इलाज न हो तो यह लिवर फेलियर या कैंसर में बदल सकता है। हेपेटाइटिस के लक्षण शुरू में हल्के और धीरे-धीरे बढ़ने वाले होते हैं, जिससे जल्दी पहचान मुश्किल हो जाती है। आम लक्षणों में दस्त, कमजोरी, थकावट, बुखार, मतली, भूख कम लगना और पेट के दाईं ओर दर्द शामिल हैं।

यदि यह लंबे समय तक रहता है, तो इसके गंभीर संकेत भी दिख सकते हैं जैसे भूल जाना, अधिक नींद आना, पेशाब का रंग गहरा होना, मल का रंग हल्का होना, त्वचा पर खुजली, और त्वचा या आंखों के सफेद हिस्से का पीलापन। हेपेटाइटिस से बचाव के लिए हमेशा उबला या शुद्ध पानी पिएं और बाहर का खुला खाना खाने से बचें। इसके लिए सुरक्षित और प्रभावी वैक्सीन भी उपलब्ध हैं। संक्रमित व्यक्ति के टूथब्रश, रेजर जैसी चीजें साझा न करें। गर्भवती महिलाओं की हेपेटाइटिस बी की जांच आवश्यक है, और संक्रमण पाए जाने पर तुरंत इलाज करवाएं। स्वच्छ और ताजा भोजन लें और डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा या डाइट न अपनाएं। सही सावधानी और समय पर इलाज से हेपेटाइटिस को नियंत्रित किया जा सकता है और लिवर की सेहत सुरक्षित रखी जा सकती है।

हैल्थ एक्सपटर्स के अनुसार, हमारा शरीर लगातार काम करता रहता है और इसमें लिवर एक अहम अंग है जो कई जरूरी कार्यों को बिना रुके पूरा करता है। यह खून साफ करने, खाना पचाने और शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है। लेकिन जब लिवर में सूजन आ जाती है, जिसे हम हेपेटाइटिस कहते हैं, तो शरीर कमजोर पड़ने लगता है। शुरुआत में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते, जिससे समय रहते इसका पता नहीं चल पाता और लिवर को नुकसान

डेंगू और मलेरिया को हल्के में न लें

डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों की शुरुआत तेज बुखार और कमजोरी जैसे लक्षणों से होती है, जिससे अक्सर लोग भ्रमित हो जाते हैं । यह भ्रम कई बार बीमारी को गंभीर बना सकता है, इसलिए सही समय पर सही पहचान और इलाज बेहद जरूरी हो जाता है।

डेंगू एक वायरल संक्रमण है, जो एडीज एजिप्टी नामक मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर आमतौर पर दिन के समय सक्रिय रहता है और साफ पानी में पनपता है। वहीं मलेरिया एक परजीवीजनित रोग है, जो प्लाज्मोडियम नामक परजीवी के कारण होता है। यह परजीवी एनाफिलीज मच्छर के जरिए फैलता है, जो गंदे या ठहरे हुए पानी में पनपता है और रात के समय काटता है। इन दोनों बीमारियों के शुरुआती लक्षण जैसे तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, ठंड लगना और थकान काफी हद तक एक जैसे होते हैं, जिससे सही पहचान करना कठिन हो जाता है। हालांकि, कुछ विशेष लक्षणों पर ध्यान देकर इनकी पहचान संभव है। डेंगू में अचानक तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द, त्वचा पर रैशेज और प्लेटलेट काउंट का तेजी से गिरना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। गंभीर मामलों में नाक या मसूड़ों से खून भी आ सकता है। दूसरी ओर मलेरिया में बुखार के साथ ठंड लगना, कंपकंपी, पसीना आना और हर 48 या 72 घंटे के अंतराल पर बुखार लौटना जैसे लक्षण होते हैं। कभी-कभी उल्टी, मतली और आंखों का पीलापन भी देखा जा सकता है। अगर इन लक्षणों में से कोई भी लगातार दिखे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और खून की जांच करवानी चाहिए। डेंगू की पुष्टि के लिए एनएस1 एंटीजन टेस्ट या आईजीएम/आईजीजी एंटीबॉडी टेस्ट और मलेरिया की पुष्टि के लिए ब्लड स्मीयर या रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट कराए जाते हैं।

डेंगू के लिए कोई विशेष एंटीवायरल दवा नहीं है, लेकिन लक्षणों के आधार पर इलाज किया जाता है। वहीं मलेरिया के लिए प्रभावी दवाएं उपलब्ध हैं, और समय रहते इलाज हो जाए तो मलेरिया पूरी तरह ठीक हो सकता है। सावधानी और जागरूकता ही इन बीमारियों से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है। बता दें कि भारत में बरसात के मौसम के बाद डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। लोग इन्हें सामान्य वायरल या मौसम का असर समझकर घरेलू इलाज शुरू कर देते हैं, लेकिन इस सही नहीं माना जाता है।

हाई ब्लड प्रेशर की अनदेखी न करें

बदलती जीवन शैली के कारण आजकल हाई ब्लड प्रेशर समस्या आम है, लेकिन इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है क्योंकि यह धीरे-धीरे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ बन जाती है।

हाई ब्लड प्रेशर के शुरुआती लक्षण सामान्यत: स्पष्ट नहीं होते, लेकिन समय के साथ यह स्थिति बढ़ती है और दिल और दिमाग से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है। खासकर जब बीपी बहुत ज्यादा बढ़ जाए तो हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। हाई ब्लड प्रेशर तब होता है जब दिल को शरीर में ब्लड पंप करने के लिए सामान्य से ज्यादा दबाव लगाना पड़ता है। इस दबाव के कारण रक्त वाहिकाओं की दीवारें कमजोर और क्षतिग्रस्त होने लगती हैं, जिससे गंभीर मामलों में वे फट भी सकती हैं। सामान्य ब्लड प्रेशर की रेंज 120/80 एमएम एचजी होती है, जबकि अगर सिस्टोलिक प्रेशर 130 से 139 के बीच और डायस्टोलिक प्रेशर 80 से 90 के बीच होता है तो इसे हाई ब्लड प्रेशर माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि ब्लड प्रेशर 140/90 एमएम एचजी से ऊपर चला जाए तो हार्ट अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस स्थिति में जल्द ही डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी हो जाता है ताकि आगे की गंभीरताओं से बचा जा सके।

हाई ब्लड प्रेशर को साइलेंट किलर भी कहा जाता है क्योंकि इसके कई मामलों में कोई स्पष्ट लक्षण नजर नहीं आते। फिर भी कुछ लोगों को तेज सिरदर्द, चक्कर आना, आंखों का लाल होना, नाक से खून आना, सीने में दर्द और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए जो लोग बीपी से परेशान हैं या जो इस बीमारी के जोखिम में हैं, उन्हें नियमित रूप से अपना ब्लड प्रेशर जांचते रहना चाहिए। यदि ब्लड प्रेशर अनियंत्रित रहता है तो यह न केवल हार्ट अटैक बल्कि स्ट्रोक और किडनी जैसी गंभीर बीमारियों का भी कारण बन सकता है।

कम नींदः सेहत के लिए गंभीर खतरा

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर अपने काम और तनाव के चलते अपनी नींद से समझौता कर लेते हैं। कई लोग कम नींद को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे सेहत के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में देखते हैं। पर्याप्त नींद नहीं लेने से न सिर्फ शरीर बल्कि दिमाग पर भी बुरा असर पड़ता है, जिससे थकान, चिड़चिड़ापन, तनाव और कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छी और पूरी नींद स्वस्थ जीवनशैली का एक अनिवार्य हिस्सा है। यह उतना ही महत्वपूर्ण है जितना संतुलित आहार और नियमित व्यायाम। नेशनल हेल्थ मिशन भी इस बात पर जोर देता है कि लगातार कम नींद तन और मन दोनों की सेहत को कमजोर करती है। नींद सिर्फ आराम का साधन नहीं है, बल्कि यह शरीर को खुद को दुरुस्त करने, कोशिकाओं की मरम्मत करने, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने और दिमाग को तरोताजा रखने का प्राकृतिक तरीका है। यह हमें पूरे दिन ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करती है। इसीलिए, स्वास्थ्य विशेषज्ञ रोजाना कम से कम 7 से 8 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद लेने की सलाह देते हैं।

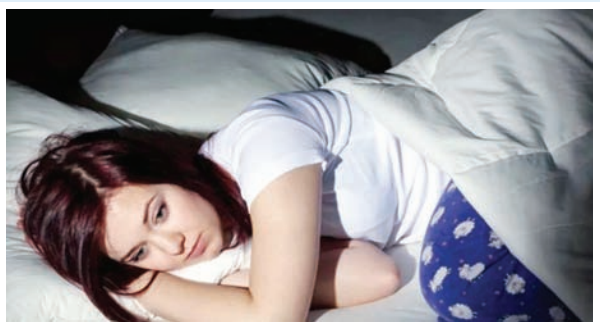

नींद की कमी का सेहत पर सीधा और गहरा असर पड़ता है। सबसे पहले तो व्यक्ति दिनभर थकान और सुस्ती महसूस करता है, जिससे उसकी कार्यक्षमता घट जाती है और तनाव का स्तर बढ़ जाता है। लंबे समय तक कम नींद लेने से वजन अनियंत्रित रूप से बढ़ सकता है, क्योंकि यह भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को प्रभावित करती है। एनएचएम के अनुसार, अपर्याप्त नींद हृदय संबंधी बीमारियों के खतरे को कई गुना बढ़ा देती है; यह रक्तचाप को अनियंत्रित कर सकती है और दिल की धड़कन पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है। इसके अतिरिक्त, डायबिटीज का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। त्वचा पर भी इसका बुरा असर दिखता है, जैसे चेहरे पर झुर्रियां, कालापन और एक थकी हुई, निस्तेज रंगत।

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ, मानसिक स्वास्थ्य पर भी नींद की कमी का गंभीर प्रभाव पड़ता है। व्यक्ति में चिड़चिड़ापन, एकाग्रता की कमी, डिप्रेशन और चिंता जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। याददाश्त कमजोर होना और निर्णय लेने की क्षमता का प्रभावित होना भी इसके प्रमुख लक्षणों में से एक है।

अच्छी और गुणवत्तापूर्ण नींद पाने के लिए कुछ सरल उपाय अपनाए जा सकते हैं। रोजाना एक निश्चित समय पर सोने और जागने की आदत डालें। रात को सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल, टीवी और कंप्यूटर जैसी स्क्रीन से दूरी बनाएं। हल्का-फुल्का व्यायाम करें, लेकिन सोने से ठीक पहले भारी कसरत से बचें। रात का भोजन हल्का रखें और सोने से कुछ घंटे पहले कर लें। अपने सोने के कमरे को शांत, अंधेरा और आरामदायक बनाएं। नींद की कमी को कभी भी हल्के में न लें। यह आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए एक चेतावनी संकेत हो सकता है। यदि आपको लगातार नींद न आने की समस्या या दिनभर थकान महसूस हो रही है, तो बिना देर किए किसी डॉक्टर या स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

एसी के अधिक इस्तेमाल से हड्डियों को होता है नुकसान

गर्मियों में सभी लंबे समय तक एसी का इस्तेमाल करते हैं। इससे जब ठंडी हवा मिलती है, तो नींद भी अच्छी लगती है पर ध्यान रहे एसी में ज्यादा सोने से हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एसी सीधे तौर पर हड्डियों को नुकसान नहीं पहुंचाता। लेकिन लंबे समय तक अत्यधिक ठंडे वातावरण में रहने से शरीर में कुछ बदलाव जरूर हो सकते हैं। ठंड में मांसपेशियों और जोड़ों में जकड़न की समस्या बढ़ जाती है, खासकर उन लोगों में जिन्हें पहले से गठिया या हड्डियों की कमजोरी की समस्या हो।एसी के ज्यादा इस्तेमाल से होने वाले विपरीत प्रभाव :

विटामिन डी की कमी: एसी में ज्यादा समय बिताने वाले लोग अक्सर धूप से दूर रहते हैं, जिससे शरीर में विटामिन डी की कमी हो सकती है जबकि यह विटामिन हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी होता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता पर असर: लंबे समय तक ठंडे वातावरण में रहने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है, जिससे हड्डियों सहित अन्य अंग भी प्रभावित हो सकते हैं।

सूखापन और जकड़न: एसी हवा को शुष्क बना देता है, जिससे स्किन और जोड़ों में सूखापन व अकड़न हो सकती है। यह समस्या बुजुर्गों और बच्चों में ज्यादा देखने को मिलती है।

इस प्राकर करें एसी का इस्तेमाल

एसी का तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखें। ठंडी हवा को सीधे शरीर पर न पड़ने दें।

कमरे में थोड़ी नमी बनाए रखें।

दिन में थोड़ी देर धूप में जरूर बैठें ताकि शरीर को विटामिन डी मिल सके। बच्चों और बुजुर्गों के जोड़ों की नियमित रूप से तेल से मालिश करें। एसी में सोना हड्डियों को सीधे नुकसान नहीं पहुंचाता, लेकिन इसके अत्यधिक और गलत इस्तेमाल से शरीर में कुछ समस्याएं जरूर हो सकती हैं। सावधानी और समझदारी से एसी का इस्तेमाल करें ताकि गर्मी से राहत भी मिले और सेहत भी बनी रहे।

संक्षिप्त समाचार

वैभव सूर्यवंशी का अनूठा डाइट प्लान, स्वाद से समझौता नहीं

नई दिल्ली। आधुनिक क्रिकेट में अब खिलाड़ियों का प्रदर्शन केवल उनके कौशल तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि फिटनेस भी टीम में चयन का एक महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है। खिलाड़ी न केवल घंटों नेट पर पसीना बहाते हैं, बल्कि जिम में कठोर वर्कआउट करते हुए अनुशासित डाइट प्लान का भी पालन करते हैं पर उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का अंदाज इससे अलग है। महज 15 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचने वाले वैभव खाने के बहुत शौकीन हैं और किसी प्रकार का परहेज नहीं रकते। उनके इस शौक के कारण कई बार उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठे, लेकिन मैदान पर उनके धमाकेदार खेल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा।

भारत ए की ओर से खेलते हुए 14 रन ही बना पाये वैभव

दांबुला। वैभव सूर्यवंशी यहां भारत ए की ओर से खेलते हुए पहले ही मैच में असफल रहे हैं। यहां खेली जा रही त्रिकोणीय ए क्रिकेट सीरीज में मेजबान श्रीलंका ए के खिलाफ मैच में भारत ए की शुरुआत करते हुए वैभव 12 गेंदों में केवल 14 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। वैभव के अलावा आईपीएल में काफी अच्छी बल्लेबाजी करने वाले प्रभसिमरन सिंह भी 11 गेंद में 2 रन बनाकर आउट हो गये। इस मैच में भारत ए टीम के कप्तान तिलक वर्मा ने टॉस जीत और टीम ने पहले बल्लेबाजी शुरु की था पर उसे शुरुआत में ही दो झटके लग गये। वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और श्रीलंका ए के गेंदबाजों मोहम्मद शिराज और चमिका करुणारत्ने पर अच्छे शॉट लगाये।

हार्दिक और सूर्यकुमार के बीच आई दूरियां

मुम्बई। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या के बीच मतभदे गहराने के संकेत मिले हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि दोनो ने ही सोशल मीडिया में एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। ये भी कहा जा रहा है कि टीम में इन दोनो अनुभवी खिलाड़ियों की नहीं पट रही थी। इसी कारण अब सूर्यकुमार मुम्बई इंडियंस छोड़ना चाह रहे हैं। सूर्या ने अपने सोशल मीडिय अकाउंट से मुंबई इंडियंस से जुड़े सभी पोस्ट भी हटा दिए हैं, जिससे उनके अगले सत्र में टीम छोड़ने की संभावनाएं भी बढ़ गयी हैं। हाल ही में हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद भी बेहद खराब रहा और टीम नौवे नंबर पर रही थी। यह सब हार्दिक के कप्तान रहते हुए।

49वें ओवर में श्रीलंका के 3 विकेट गिरे, टीम इंडिया 8 रन से जीती

इंडिया-ए ने श्रीलंका-ए को ट्राई सीरीज का पहला वनडे हराया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडिया-ए ने ट्राई सीरीज के पहले वनडे में श्रीलंका-ए को 8 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया-ए ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका-ए की टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर ऑलआउट हो गई।

श्रीलंका को आखिरी दो ओवर में 10 रन चाहिए थे और 3 विकेट बचे थे। लेकिन, 49वें ओवर में अरशद खान ने दो विकेट लेने के साथ एक रनआउट कराकर श्रीलंका की पारी को समेट दिया।

गायकवाड ने शतक लगाया, तिलक की फिफ्टी: दांबुला स्टेडियम में टॉस जीतकर बैटिंग कर रही भारतीय टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड ने 101 रन की शतकीय पारी खेली। जबकि कप्तान तिलक वर्मा ने 60 रन का योगदान दिया। आईपीएल -2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी 14 रन ही बना सके। श्रीलंकाई टीम की ओर से मोहम्मद शिराज ने 2 विकेट झटके।

कप्तान सहान अराचिगे ने 74 रन बनाए: टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका के लिए सहान अराचिगे (74) और सदीरा समरविक्रमा (46) ने श्रीलंका की उम्मीदें जगाई थीं, लेकिन भारत ने लगातार अंतराल पर विकेट निकालकर मैच का रुख पलट दिया।

भारत के लिए आयुष बदोनी, अनुकूल रॉय, अरशद खान और विप्रज निगम ने 2-2 विकेट लिए। अंशुल कंबोज को 1 विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

इंडिया-ए: वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, ऋतुराज गायकवाड, तिलक वर्मा (कप्तान), आयुष बदोनी, अनुकूल रॉय, सूर्यांश शेडगे, अंशुल कंबोज, अरशद खान और विप्रज निगम।

श्रीलंका-ए: निरोशन डिकवेला (उप कप्तान और विकेटकीपर), अविष्का फर्नांडो, नुवानिदु फर्नांडो, सदीरा समरविक्रमा (विकेटकीपर), सहान अराचिगे (कप्तान), चमिका करुणारत्ने, रविन्दु फर्नांडो, वानुजा सहन, विजयकांत वियास्कंथ, मोहम्मद शिराज और गरुका संकेत।

49वें ओवर में 3 विकेट गिरे, श्रीलंका ऑलआउट: जीत के हीरो अरशद खान रहे, जिन्होंने 49वें ओवर में मैच का रुख पलट दिया। ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने विजयकांत वियासकांत को LBW आउट किया। इसके बाद तीसरी गेंद पर वानुजा सहान गैरजरूरी रन लेने की कोशिश में रनआउट हो गए। फिर ओवर की पांचवीं गेंद पर मोहम्मद शिराज का विकेट लेकर अर्शद ने श्रीलंका की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस तरह एक ही ओवर में तीन विकेट गिरने से श्रीलंका की पारी 48.5 ओवर में 269 रन पर सिमट गई।

कंबोज ने सहान अराचिगे को आउट किया: 47.2 ओवर में अंशुल कंबोज ने भारत को 7वां विकेट दिलाया। उन्होंने शानदार यॉर्कर डालकर सेट बल्लेबाज सहान अराचिगे की बेहतरीन पारी का अंत कर दिया। अरच्चिगे ने गेंद को निकालने की कोशिश की, लेकिन बल्ले का निचला किनारा लगने के बाद गेंद सीधे स्टंप्स से जा टकराई। श्रीलंका का यह सातवां विकेट था और टीम को अब जीत के लिए 16 गेंदों में 16 रन की जरूरत थी। अराचिगे 72 गेंदों में 74 रन बनाकर आउट हुए। उनकी शानदार पारी में 6 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

लंदन में क्वींस क्लब चैम्पियनशिप के पहले ही दौर में रिटर्न शॉट लगाती हुई कनाडा की लेयाह फर्नांडिज।

इंडियास बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स के लिए नामांकन शुरू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

शिव नाडर फाउंडेशन और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सईद बिजनेस स्कूल ने मिलकर ' इंडियास बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स के पहले संस्करण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पहल का मकसद देशभर में कक्षा 9 से 12 तक पढ़ाने वाले प्रेरणादायी और बेहतरीन शिक्षकों को सम्मानित करना है।

SHIV NADAR FOUNDATION

सरकारी और निजी स्कूलों के प्राचार्य तथा स्कूल प्रमुख 31 जुलाई 2026 तक अपने विद्यालय के योग्य शिक्षकों के नाम भेज सकते हैं। चुने गए शिक्षकों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा और उन्हें ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सईद बिजनेस स्कूल में एक हफ्ते के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। इस कार्यक्रम का पूरा खर्च आयोजकों की तरफ से उठाया जाएगा।

भारत में 14 लाख से ज़्यादा स्कूल हैं, जहाँ करीब 98 लाख शिक्षक 24 करोड़ से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा दे रहे हैं। अलग-अलग हालात और चुनौतियों के बीच काम करते हुए शिक्षक बच्चों का भविष्य संवारने में अहम भूमिका निभाते हैं।

आज के दौर में शिक्षक केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं हैं। वे विद्यार्थियों में सोचने-समझने की क्षमता, नई चीज़ें सीखने की जिज्ञासा, रचनात्मकता और ज़िंदगी की असली चुनौतियों का सामना करने का हौसला भी जगाते हैं। ऐसे में बेहतरीन शिक्षकों के योगदान को पहचानना और सम्मानित करना बेहद ज़रूरी है।

इस पुरस्कार के ज़रिये उन शिक्षकों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की कोशिश है जिन्होंने अपने काम से विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता बेहतर की, उन्हें प्रेरित किया और अपने स्कूलों में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दिया।

यह पुरस्कार भूगोल, व्यवसाय अध्ययन एवं उद्यमिता, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र, भौतिकी, अंग्रेज़ी, पर्यावरण विज्ञान और गणित विषयों के शिक्षकों के लिए है। चयन प्रक्रिया में शिक्षकों के विषय ज्ञान, पढ़ाने के नए और असरदार तरीकों, विद्यार्थियों पर उनके प्रभाव तथा विद्यालय और समाज में उनकी भूमिका को ध्यान में रखा जाएगा। पुरस्कार विजेता शिक्षकों को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक हफ्ते के विशेष कार्यक्रम में बुलाया जाएगा, जहाँ वे शिक्षा, नेतृत्व और नवाचार से जुड़े वैश्विक अनुभवों से सीख सकेंगे और देश-विदेश के विशेषज्ञों व अन्य शिक्षकों के साथ विचार साझा कर सकेंगे। अंतिम चरण के लिए चुने गए शिक्षकों को 4 और 5 सितंबर 2026 को शिव नाडर विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर में आयोजित चयन प्रक्रिया में बुलाया जाएगा।

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग

इंदौर पिंक पैंथर्स की धमाकेदार जीत, मालवा स्टैलियंस को 31 रनों से दी मात

इंदौर ■ निसं

होल्कर स्टेडियम की पारंपरिक रूप से रनों से सराबोर रहने वाली पिच पर मंगलवार रात को चौके-छक्कों की ऐसी आतिशबाजी हुई कि दर्शक दीवाने हो गए। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के 13वें महामुकाबले में इंदौर पिंक पैंथर्स ने अपनी बादशाहत कायम रखते हुए मालवा स्टैलियंस को 31 रनों से करारी शिकस्त दी। इंदौर के गगनचुंबी 229 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य के सामने मालवा की टीम लाख कोशिशों के बाद भी 20 ओवरों में 9 विकेट पर 198 रन ही बना सकी। इस जीत के असली हीरो और प्लेयर ऑफ द मैच इंदौर के गेंदबाज शिवम शुक्ला रहे, जिन्होंने मालवा के बल्लेबाजों को अपनी अंगुलियों पर नचाते हुए महज 27 रन देकर 5 विकेट चटकाए और मैच का पासा पूरी तरह इंदौर की तरफ पलट दिया।

टहलियानी, अय्यर और सुराना का इन्दौरी तड़का: इससे पहले शाम को जब इंदौर के कप्तान वेंकटेश अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, तो किसी को अंदाजा नहीं था कि मैदान पर रनों का सैलाब आने वाला है। सलामी बल्लेबाज अथर्व जोशी (45 रन, 20 गेंद) ने जो चिंगारी सुलगाई थी, उसे पहले करण टहलियानी (50 रन) ने संभाला और फिर कप्तान वेंकटेश अय्यर और सारंश सुराना ने दावाग्नि में बदल दिया। अय्यर ने कप्तानी पारी खेलते हुए मैदान के चारों ओर 6 गगनचुंबी छक्के जड़े और महज 22 गेंदों में 54 रन बना डाले। रही-सही कसर सारंश सुराना ने पूरी कर दी, जिन्होंने मालवा के गेंदबाजों को रिमांड पर लेते हुए सिर्फ 17 गेंदों में 5 छक्कों के साथ नाबाद 50 रन कूट दिए। इंदौर ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 229 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। मालवा के गेंदबाज हर्षवर्धन सिंह इंदौर के बल्लेबाजों के निशाने पर रहे और उन्होंने अपने 4 ओवर में रिकॉर्ड 70 रन लुटाए।

शिवम की धारदार गेंदबाजी से बिखरा मालवा का स्टैलियंस : जवाब में 230 रनों के हिमालयी लक्ष्य का पीछा करने उतरी मालवा स्टैलियंस की शुरुआत अच्छी रही। सचिन विश्वकर्मा (47 रन) और अंश यादव (31 रन) ने इंदौर के गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेलने की कोशिश की, लेकिन इसके बाद मैदान पर शुरू हुआ शिवम शुक्ला का तूफान। शिवम ने अपनी कटर और सटीक लाइन-लेंथ से मालवा के मध्यक्रम की गिल्लियां बिखेर दीं। उन्होंने अपने 4 ओवर के स्पैल में एक मेडन ओवर फेंकते हुए मात्र 27 रन दिए और 5 बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। इस घातक गेंदबाजी ने मालवा की कमर तोड़ दी।

व्यापार समाचार

एन चंद्रशेखरन ने क्यों कहा

टीसीएस में तीन साल के भीतर इंसानों के बराबर होंगे एआई कर्मचारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हमारी नौकरियां छीन लेगी या फिर व्यापार के नए रास्ते खोलेगी? इस चर्चा के बीच भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने भविष्य की एक बेहद साफ तस्वीर पेश की है। टीसीएस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को एक बड़ा एलान करते हुए कहा है कि अगले तीन साल के भीतर कंपनी में इंसानी कर्मचारियों की संख्या के बराबर ही 'एआई एजेंट' या 'एआई वर्कर' काम कर रहे होंगे। यह बयान स्पष्ट करता है कि एआई अब केवल एक तकनीकी प्रयोग नहीं रह गया है, बल्कि यह भविष्य के बिजनेस ग्रोथ का सबसे अहम चालक बन चुका है।

टीसीएस का एआई रेवेन्यू और निवेश कितनी तेजी से बढ़ रहा है?: टीसीएस की 31वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में बोलते हुए चंद्रशेखरन ने बताया कि कंपनी अपने इंटरनल ऑपरेशंस, सॉल्यूशन फ्रेमवर्क और एक्सटर्नल ऑपरेशंस में एआई एजेंट्स पर भारी निवेश कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'वह दिन दूर नहीं जब टीसीएस में फिजिकल कर्मचारियों के बराबर ही एआई एजेंट काम करेंगे'। वित्तीय आंकड़ों पर नजर डालें, तो पिछले चार तिमाहियों से कंपनी के एआई रेवेन्यू में लगातार 22 फीसदी से ज्यादा की तिमाही वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2026 की आखिरी तिमाही तक कंपनी का सालाना एआई रेवेन्यू 2.5 अरब डॉलर के विशाल आंकड़े तक पहुंच गया है।

क्या एआई से आईटी सेक्टर को कोई खतरा है या यह एक बड़ा मौका है?: एआई से आईटी सेक्टर में उथल-पुथल की चिंताओं को चंद्रशेखरन ने एक 'गलतफहमी' करार दिया। उन्होंने शेयरधारकों से स्पष्ट तौर पर कहा, 'यह कोई बड़ा खतरा नहीं है, बल्कि एंटरप्राइज आईटी के लिए यह अब तक का सबसे बड़ा मौका है'। उन्होंने एआई के दौर में आईटी कंपनियों के लिए विकास के पांच मुख्य अवसरों का उल्लेख किया:

लेगेसी सिस्टम का आधुनिकीकरण: पुराने तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर और बिखरे हुए डेटा को एआई के जरिए आधुनिक बनाना।

बिजनेस प्रोसेस का नया डिजाइन: सप्लाई चेन और कस्टमर जर्नी जैसे कोर ऑपरेशंस को एंड-टू-एंड एआई से लैस करना।

एआई एजेंट्स का प्रबंधन: सुरक्षा, लागत और नियमों के पालन के लिए एआई का गवर्नेंस सुनिश्चित करना।

सॉवरेन एआई का उदय: सरकारें और कड़े नियमों वाले संस्थान अपने डेटा पर पूरा नियंत्रण चाहते हैं। इसे देखते हुए टीसीएस ने भारत और यूरोप में विशेष पहल शुरू कर दी है।

फिजिकल एआई: फैक्ट्रियों और गोदामों में एआई रोबोटिक्स का इस्तेमाल। उदाहरण के तौर पर, एक ग्लोबल कृषि कंपनी के गोदाम में खतरनाक परिस्थितियों की निगरानी के लिए चार-पैरों वाले रोबोट का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया जा रहा है।

भविष्य को लेकर टीसीएस की वित्तीय स्थिति और आउटलुक कैसा है?: बाजार में चल रही चिंताओं के बावजूद, टीसीएस का बिजनेस मोमेंटम बेहद मजबूत है। चंद्रशेखरन के अनुसार, 'मार्जिन बरकरार है, रेवेन्यू बढ़ रहा है।

अमेरिका ने 100 चीनी कंपनियां को 'मिलिट्री लिस्ट' में डाला:दावा

कंपनियां चीनी सेना की मदद कर रहीं, कंपनियों पर प्रतिबंधों का खतरा बढ़ा

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका ने अलीबाबा ग्रुप, बायडू और BYD जैसी दिग्गज चीनी टेक और ऑटोमोबाइल कंपनियों को 'चीनी मिलिट्री कंपनियों' की लिस्ट में शामिल किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के अनुसार ये कंपनियां पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी चीनी सेना और वहां की सुरक्षा एजेंसियों की मदद करती हैं।

अमेरिका ने नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट के सेक्शन 1260 II के तहत अब तक 100 से अधिक चीनी कंपनियों को इस ब्लैकलिस्ट में डाल दिया है।

अलीबाबा, टेनसेंट और शाओमी जैसी बड़ी कंपनियों पर शिकंजा: पेंटागन द्वारा जारी की गई इस नई लिस्ट में चीन के लगभग हर बड़े सेक्टर की दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। इनमें ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अलीबाबा, सर्च इंजन और एआई सेक्टर की बड़ी कंपनी बायडू, और दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनियों में से एक BYD शामिल है।

इनके अलावा इस लिस्ट में बैटरी बनाने वाली कंपनी CATL, गेमिंग और सोशल मीडिया की बड़ी कंपनी टेनसेंट, टेलिकॉम कंपनी हुवावे और ड्रोन बनाने वाली कंपनी DJI को भी शामिल किया गश है। इसके साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर और नेटवर्किंग डिवाइस बनाने वाली टीपी-लिंक, रोबोटिक्स फर्म यूनिट्री , सर्विलांस कैमरा बनाने वाली हिकविज़), और कोस्को शिपिंग जैसी दिग्गज कंपनियां भी इस सूची में शामिल हैं। चीन की बड़ी टेलिकॉम ऑपरेटर जैसे चाइना मोबाइल, चाइना टेलीकॉम, और चाइना यूनिकॉम को भी सेना से जुड़े होने के कारण इसमें डाला गया है।

पेंटागन ने दिया चीनी सरकारी मंत्रालयों और सेना से संबंधों का हवाला: अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने इन कंपनियों को लिस्टेड करने के लिए ठोस कानूनी और रणनीतिक कारण बताए हैं। पेंटागन का कहना है कि ये कंपनियां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से चीन के सरकारी तंत्र और सैन्य संस्थानों से जुड़ी हुई हैं। आधिकारिक दस्तावेज में खास तौर पर 'स्टेट-ओन्ड एसेट्स सुपरविज़न एंड एडमिनिस्ट्रेशन कमीशन' और 'मिनिस्ट्री ऑफ इंडस्ट्री एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी' का ज़िक्र किया गया है। इसके अलावा चीन के स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन फॉर साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्री फॉर नेशनल डिफेंस और चीन की मुख्य सेना यानी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के साथ-साथ पीपुल्स आर्म्ड पुलिस व चीनी खुफिया और कानून प्रवर्तन (लॉ-इन्फोर्समेंट) एजेंसियों के साथ भी इन कंपनियों के संबंध का दावा अमेरिका ने किया है।

गैर-खुदरा निवेशकों की शुरुआती प्रतिक्रिया सुस्त

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी एनएलसी इंडिया में केंद्र सरकार की तीन प्रतिशत तक हिस्सेदारी बिक्री के लिए मंगलवार को खुली पेशकश (ओएफएस) शुरू हो गई। पहले दिन गैर-खुदरा निवेशकों की तरफ से इसे उम्मीद से कम प्रतिक्रिया मिली। आंकड़ों के अनुसार गैर-खुदरा निवेशकों ने अपने लिए आरक्षित 2.49 करोड़ शेयरों में से केवल 1.09 लाख से अधिक शेयरों (0.44 प्रतिशत) के लिए बोली लगाई। यह बोली 304.92 रुपये प्रति शेयर के सांकेतिक मूल्य पर लगी। सरकार एनएलसी इंडिया में अधिकतम तीन प्रतिशत या लगभग 4.16 करोड़ शेयर बेच रही है, जिसका आधार मूल्य 303 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस हिस्सेदारी बिक्री से सरकार को करीब 1,200 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। यह पेशकश दो प्रतिशत के आधार और अतिरिक्त एक प्रतिशत के ग्रीन शू विकल्प के साथ है। खुदरा निवेशकों के लिए यह निर्गम 10 जून को खुलेगा। वर्तमान में एनएलसी इंडिया में सरकार की 72.20 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

फिच ने भारत की विकास दर घटाकर 6.4 फीसदी की

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। यह कटौती अमेरिका-ईरान संघर्ष और इससे जुड़े वैश्विक तेल संकट के गहरे होते प्रभावों के कारण की गई है। रेटिंग एजेंसी ने उच्च मुद्रास्फीति और उपभोक्ता खर्च पर संभावित दबाव की भी चेतावनी दी है। अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में फिच ने कहा कि ब्रेंट क्रूड का अनुमान 70 डॉलर से बढ़कर 87 डॉलर प्रति बैरल हो गया है, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य भी जुलाई तक बंद रह सकता है। फिच ने वित्त वर्ष 2026-27 में वृद्धि दर धीमी रहने की आशंका जताई है, हालांकि घरेलू मांग और निवेश से कुछ समर्थन मिलेगा।

केरल में कई दवाओं पर प्रतिबंध, गुणवत्ता परीक्षण में फेल

तिरुवनंतपुरम। केरल औषधि नियंत्रण विभाग ने राज्य में कई दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की बिक्री व वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया है। मई में किए गए गुणवत्ता परीक्षणों में ये उत्पाद निम्न गुणवत्ता वाले पाए गए थे। केरल औषधि नियंत्रण विभाग के एक अ?धिकारी ने कहा कि प्रभावित उत्पाद निर्धारित गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में विफल रहे, जिसके बाद जन स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई की गई है।

वॉलमार्ट का दांव- छोटे-बड़े हर ऑपरेशन में एआई तैनात

20 लाख कर्मचारियों वाला वॉलमार्ट एआई से रिटेल और शॉपिंग का तरीका बदल रहा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ग्लोबल रिटेल चेन वॉलमार्ट की सालाना मीटिंग में यह साफ हो गया है कि कंपनी बिजनेस की रफ्तार बढ़ाने के लिए एआई को सबसे बड़ा हथियार बना रही है। दुनियाभर में फैले हजारों स्टोर्स, करोड़ों साप्ताहिक ग्राहक और 20 लाख से अधिक कर्मचारियों वाली यह कंपनी अब स्टोर के अंदर ऑर्डर पिकिंग से लेकर डिलीवरी टाइमिंग और कस्टमर फीडबैक समझने तक हर छोटे-बड़े ऑपरेशन में एआई की मदद ले रही है। वॉलमार्ट के सीईओ जॉन फर्नर ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य एआई सीखने और इसकी क्षमता को सबके लिए सुलभ बनाना है।

हर कर्मचारी तक एआई टूल पहुंचाएगी: फर्नर का जोर है कि कंपनी का हर कर्मचारी एआई टूल्स सीखे और आगे बढ़े। मीटिंग में सबसे ज्यादा चर्चा 'कोड पपी' टूल की रही, जिसे वॉलमार्ट ग्लोबल टेक के ही इंजीनियरों ने विकसित किया है। यह एक ऐसा 'वाइब-कोडिंग टूल' है जो सभी कर्मचारियों को अपने स्तर पर तकनीकी समाधान खोजने में मदद करता है।

आइडिया ग्लोबल स्केल पर फैलें: वॉलमार्ट की कोशिश है कि नए आइडियाज सीधे फ्रंटलाइन कर्मचारियों से निकलें और ग्लोबल एंटरप्राइज में लागू किया जाए। फर्नर ने कहा, 'आइडिया कहां से आया, यह मायने नहीं रखता। चाहे वह बेंगलुरु हो या ग्रेटर टोरंटो हो। जहां सबसे अच्छा आइडिया होगा, हम उसे अपनाएंगे और स्केल करेंगे।'

ओपनएआई के साथ क्रेडेंशियलिंग प्रोग्राम: वॉलमार्ट ने ओपनएआई संग क्रेडेंशियलिंग प्रोग्राम लॉन्च किया, जो हर कर्मचारी के लिए है। उद्देश्य कर्मचारी एआई से समस्याओं को हल कर सकें। कंपनी के एक लॉजिस्टिक्स मैनेजर ने ऐसा एआई एजेंट बनाया, जो रूट ऑप्टिमाइजेशन में मदद करता है। खाली ट्रकों की आवाजाही कम हुई है और ड्राइवरों का समय बच रहा है।

पीएनबी ने दिव्यांगजनों के लिए किफायती ऋण की पहुंच का विस्तार करने हेतु 'पीएनबी दिव्यांग ऋण' की शुरुआत की

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने 'पीएनबी दिव्यांग ऋण' की शुरुआत की है, जो एक रियायती आवास और वाहन ऋण योजना है। इसे किफायती और सुलभ वित्तीय समाधानों के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह योजना राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम (एनडीएफडीसी) के साथ साझेदारी में शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत बैंक आवास और गतिशीलता की आवश्यकताओं के लिए रियायती वित्तपोषण प्रदान करेगा, जिसे एनडीएफडीसी से 100% पुनर्वित्त सहायता प्राप्त होगी।

इस योजना के अंतर्गत, पात्र भारतीय नागरिक खरीद, निर्माण, नवीकरण या संयुक्त आवास (कंपोजिट हाउसिंग) के उद्देश्यों के लिए 50 लाख तक के आवास ऋण का लाभ उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, गतिशीलता, रोजगार क्षमता और वित्तीय स्वतंत्रता में सुधार लाने के उद्देश्य से संशोधित चौपहिया वाहनों (50 लाख तक) और दोपहिया वाहनों (1.50 लाख तक) के लिए रियायती वाहन ऋण उपलब्ध कराए जाएंगे। आवास ऋण और वाहन ऋण दोनों का लाभ उठाने वाले ग्राहक के लिए अधिकतम संयुक्त सीमा ?50 लाख निर्धारित की गई है।

pnb

इस अवसर पर बोलते हुए, रिटेल आस्ति कारोबार प्रभाग, पीएनबी के महाप्रबंधक, सुबोध कुमार ने कहा: 'पीएनबी में हमारा मानना है कि वित्तीय समावेशन का वास्तविक अर्थ समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए सार्थक पहुंच, सम्मान और सशक्तिकरण होना चाहिए। 'पीएनबी दिव्यांग ऋण' हमारी उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जिसके तहत हम ऐसी समावेशी बैंकिंग सेवाएं तैयार करना चाहते हैं जो दिव्यांग व्यक्तियों को अधिक वित्तीय स्वतंत्रता, बेहतर गतिशीलता और अपना घर होने के सपने को पूरा करने में सक्षम बना सकें। रियायती ब्याज दरों और औपचारिक ऋण तक आसान पहुंच प्रदान करके, इस योजना का उद्देश्य उन समुदायों के लिए संस्थागत वित्त को अधिक किफायती और सुलभ बनाना है जो अब तक इन सुविधाओं से वंचित रहे हैं। यह पहल लक्षित वित्तीय सहायता के माध्यम से दिव्यांगजनों के समावेशी विकास और आर्थिक सशक्तिकरण के भारत सरकार के विज़न के अनुरूप है।'

योजना की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं: अधिकतम 50 लाख की संयुक्त सीमा के साथ रियायती आवास ऋण और वाहन ऋण, व्यक्तिगत गतिशीलता के लिए मॉडिफाइड वाहनों हेतु वित्तपोषण सहायता (दोपहिया वाहनों के लिए 1.50 लाख तक और चार पहिया वाहनों के लिए 50 लाख तक)।

संक्षिप्त समाचार

दुबई में भीषण सड़क हादसे में 7 भारतीयों की मौत, 9 घायल

दुबई। दुबई में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में सात भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। दुबई स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि सड़क दुर्घटना में कई भारतीय श्रमिकों की मौत की खबर अत्यंत दुखद है। दूतावास के अधिकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिले हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटे हैं। दुबई पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब एक मिनीबस सड़क के बीच तकनीकी खराबी के कारण खड़े एक ट्रक से पीछे से टकरा गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक अचानक बीच सड़क पर रुक गया था। दुबई पुलिस के यातायात विभाग के महानिदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि बस चालक पर्याप्त सावधानी नहीं बरत सका और सुरक्षित दूरी बनाए रखने में विफल रहा, जिसके कारण यह टक्कर हुई। दुर्घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हुए हैं।

नेपाल सरकार ने 25 अत्यावश्यक सेवा क्षेत्र में बंद और हड़ताल पर प्रतिबंध लगाया

काठमांडू। नेपाल की बालेन्द्र शाह सरकार ने 25 अत्यावश्यक सेवाओं में हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी करते हुए आवश्यक सेवा संचालन अधिनियम, 2014 की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए जारी की है। अधिसूचना के अनुसार डाक, तार और टेलीफोन सेवाएं, जल, स्थल एवं हवाई मार्ग से यात्री तथा माल ढुलाई करने वाली परिवहन सेवाएं, मुद्रण एवं सरकारी मुद्रणालय, संचार सेवाएं, पेयजल आपूर्ति जैसे क्षेत्र में बंद हड़ताल करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी तरह पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति, अस्पताल, दवाइयों से संबंधित सेवाएं, कचरा प्रबंधन, बैंकिंग, बीमा, विद्युत आपूर्ति, दैनिक उपभोग की वस्तुओं की आपूर्ति तथा पासपोर्ट सेवाओं सहित कुल 25 अत्यावश्यक क्षेत्रों में हड़ताल करना प्रतिबंधित रहेगा। सरकार का कहना है कि इन सेवाओं को निरंतर और निर्बाध रूप से संचालित रखना जनहित तथा सार्वजनिक जीवन की सुचारु व्यवस्था के लिए आवश्यक है, इसलिए इन्हें अत्यावश्यक सेवा के दायरे में रखते हुए हड़ताल पर रोक लगाई गई है।

हॉर्मुज पर नियंत्रण बनाए रखने पर अड़ा ईरान, यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों की आलोचना

तेहरान। ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना की है। उसका कहना है कि वह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अपने संप्रभु अधिकारों का प्रयोग जारी रखेगा। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने यूरोपीय संघ के फैसले को 'भ्रामक और राजनीतिक कदम' करार दिया। उन्होंने कहा कि ईरान इस तरह के कदमों को कोई महत्व नहीं देता और हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी संप्रभुता बनाए रखने की नीति पर आगे बढ़ता रहेगा। इससे पहले यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख ने बताया था कि सदस्य देशों ने उन कुछ ईरानी व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिन पर जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात को सीमित करने में भूमिका निभाने का आरोप है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता में जारी गतिरोध के बीच हॉर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित बनी हुई है। दुनिया के कुल कच्चे तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है, इसलिए क्षेत्र में तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भी पड़ सकता है।

राजग सरकार के 12 साल पूरे होने पर सांसद-विधायक चलाएंगे जनसंपर्क अभियान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन वाली सरकार के 12 वर्ष आज पूरे हो गए हैं। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी सांसदों और विधायकों को अपने अपने क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक इस अभियान को लेकर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी सांसदों की बैठक ली थी। इस बैठक में सांसदों को कई कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। इस अभियान के तहत भाजपा के सांसदों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री आगामी दिनों में अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों और राज्यों में विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। नेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने क्षेत्रों में चल रही या पूरी हो चुकी प्रमुख आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और विकास परियोजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाएंगे।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में प्रदर्शन और हिंसक झड़पें

12 लोगों की मौत, पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर के खिलाफ लगे नारे

मीरपुर/रावलाकोट ■ एजेंसी

पाकिस्तान के कब्ज़े वाले कश्मीर (पीओके) में राजनीतिक अधिकारों और विधानसभा में प्रतिनिधित्व को लेकर बढ़ते तनाव के बीच प्रतिबंधित संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के सशस्त्र कार्यकर्ताओं और कानून प्रवर्तन एजेन्सी (एलईए) के बीच रावलाकोट में हुई हिंसक झड़प में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 8 प्रदर्शनकारी और 4 सुरक्षा कर्मी शामिल हैं। प्रदर्शनकारी पाकिस्तान की सेना और खासतौर पर सेना प्रमुख आसिम मुनीर से नाराज थे और आसिम मुनीर दहशतगर्द है के नारे लगा रहे थे।

पुंछ के आयुक्त सरदार वहीद खान ने पुष्टि की कि इस संघर्ष में कुल 12 लोगों की जान गई, जबकि दर्जनों सुरक्षा अधिकारी घायल हुए हैं। उनके अनुसार, प्रतिबंधित संगठन के सशस्त्र सदस्यों ने आधुनिक हथियारों से लैस होकर सुरक्षा बलों पर हमला किया और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही हैं। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और उपद्रवी तत्वों से दूरी बनाए रखने की अपील की। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है, अधिकांश राजमार्ग यातायात के लिए खोल दिए गए हैं और बाजार तथा व्यावसायिक केंद्र सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।

पाक को दुष्कर्मों और अत्याचारों के लिए जवाबदेह ठहराया जाए : जायसवाल

भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को प्रेसवार्ता के दौरान एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि हम पाकिस्तान की ओर से फर्जी खबरों और वीडियो का एक सिलसिला लगातार देख रहे हैं। यह अपनी विफलताओं को छिपाने और अपने मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान भटकाने का पाकिस्तान का एक हताशा-पूर्ण प्रयास है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भीषण पुलिस बर्बरता की खबरें हैं, जिसमें कई प्रदर्शनकारी मारे गए हैं और कई अन्य घायल हुए हैं। हम उम्मीद करते हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को उसके दुष्कर्मों और अत्याचारों के लिए जवाबदेह ठहराएगा।

आज़ाद जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रवक्ता के अनुसार, गोलीबारी में 4 सुरक्षाकर्मी मारे गए जबकि 20 से अधिक पुलिस और सुरक्षा अधिकारी घायल हुए हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब एजेके सरकार ने 9 जून को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले जेएएसी को आतंकवाद-निरोधी कानूनों के तहत प्रतिबंधित संगठन घोषित किया था।

जेएएसी पहले भी आर्थिक मुद्दों और राजनीतिक अधिकारों को लेकर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन आयोजित करता रहा है। मई 2024 और सितंबर 2025 में हुए कुछ प्रदर्शनों के दौरान भी सुरक्षा बलों के साथ झड़पों में लोगों की मौत हुई थी। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि प्रतिबंधित संगठन के हिंसक कार्यकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है और अशांति फैलाने वालों को जल्द कानून के कटघरे में लाया जाएगा। जनता से भी अपील की गई है कि वे प्रतिबंधित संगठन या उसके सहयोगियों द्वारा आयोजित गतिविधियों में भाग न लें और केवल सरकारी स्रोतों से जारी जानकारी पर भरोसा करें।

पाक संसदीय मामलों के मंत्री तारिया फ़ज़ल चौधरी ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा अधिकांश मांगें स्वीकार किए जाने के बावजूद यह समूह क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि शहबाज़ के निर्देश पर एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई थी, जिसने वार्ता की और समझौते के बिंदुओं को लागू किया। मीरपुर डिवीजन में शांति बनाए रखने के लिए चलाए अभियान के दौरान पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन से कथित संबंध रखने वाले 91 लोगों को पकड़ा। कामरान अली ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के पास से हथियार, डंडे और अन्य सामग्री बरामद की गई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हिंसा उस समय भड़की जब पीओके के सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि पाकिस्तान में रह रहे कश्मीरी शरणार्थियों के लिए विधानसभा में आरक्षित 12 सीटें संवैधानिक रूप से संरक्षित हैं और इन्हें संवैधानिक संशोधन के बिना समाप्त नहीं किया जा सकता। यह फैसला जेएएसी द्वारा 9 जून को प्रस्तावित बड़े विरोध प्रदर्शन से ठीक पहले आया है। संगठन लंबे समय से शरणार्थियों के लिए आरक्षित सीटों को समाप्त करने और स्थानीय लोगों के लिए अधिक राजनीतिक अधिकारों की मांग कर रहा है।

उत्तरी वजीरिस्तान में पाकिस्तान की बड़ी कार्रवाई, 27 विद्रोही ढेर

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

पाकिस्तान के उत्तरी वज़ीरिस्तान जिले में सुरक्षा बलों ने बड़े आतंकवाद-रोधी अभियान में 27 आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना रविवार को दावा किया कि पिछले 72 घंटों के दौरान मीरान शाह क्षेत्र में खुफिया सूचना के आधार पर कई अभियान चलाए गए।

पाकिस्तान के मीडिया रिपोर्ट्स में आईएसपीआर के हवाले से बताया गया है कि सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में मौजूद कथित 'फ़ित्ना अल-खवारिज' के कई ठिकानों को निशाना बनाया। सेना के बयान में कहा गया कि भीषण मुठभेड़ के बाद 27 आतंकवादी मारे गए और उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार तथा गोला-बारूद बरामद किया गया। मारे गए आतंकवादी कई आतंकी घटनाओं और निर्दोष नागरिकों की लक्षित हत्याओं में शामिल थे।

पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इस अभियान के जरिए मलिक सैफुल्ला डावर की हत्या में शामिल समूह को समाप्त कर दिया गया है और उनके लिए न्याय सुनिश्चित किया गया है। बयान में कहा गया कि, क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और देश में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए सुरक्षा बल हर संभव कदम उठाते रहेंगे।

वहीं, पाकिस्तान का कहना है कि उसने आतंकवाद विरोधी अभियान ऑपरेशन गज़ब लिल-हक शुरू किया, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए और अनेक घायल हुए। रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान के 2021 में अफ़गानिस्तान में सत्ता में लौटने के बाद पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में आतंकी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है।

अक्टूबर 2025 से पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर तनाव बना हुआ है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफ़गान तालिबान और उससे जुड़े तत्वों ने उसकी सीमा चौकियों पर हमले किए, जिसके बाद दोनों देशों के बीच कई बार झड़पें हुईं। हालांकि विभिन्न स्तरों पर बातचीत के बावजूद अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सका है। पाकिस्तान के अधिकारियों का कहना है कि सीमा पार सक्रिय आतंकवादी संगठनों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई न होने के कारण सुरक्षा चुनौतियां बनी हुई हैं।

'विकसित भारत जी राम जी' योजना एक जुलाई से होगी लागू

नई दिल्ली। 'विकसित भारत जी राम जी' एक जुलाई से देशभर में लागू कर दिया जाएगा। इसके लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने मंगलवार को 95,692 करोड़ रु. का अंतरिम आवंटन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी किया। मनरेगा के तहत 30 हजार करोड़ रु. पहले ही आवंटित कर दिए गए हैं। इस प्रकार इस योजना की कुल राशि 1.25 लाख करोड़ रु. से अधिक हो जाएगी। इस संबंध में मंगलवार को ग्रामीण विकास मंत्रालय में केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों के ग्रामीण विकास मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासामी भी शामिल हुए।

भारत में परिसर खोलेंगे ब्रिटेन-ऑस्ट्रेलिया के 3 प्रतिष्ठित विवि, शिक्षा मंत्रालय ने दी मंजूरी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए तीन प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने परिसर स्थापित करने की मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव और यूजीसी अध्यक्ष डॉ. विनीत जोशी ने यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क और यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स को स्वीकृति पत्र (एलओपी) सौंपे।

इस अवसर पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इन विश्वविद्यालयों का भारत में परिसर स्थापित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इससे देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, वैश्विक शैक्षणिक साझेदारी और शोध सहयोग को और मजबूती मिलेगी।

प्रधान ने कहा कि ब्रिस्टल और यॉर्क विश्वविद्यालयों द्वारा मुंबई में तथा न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय द्वारा बेंगलुरु में परिसर स्थापित किया जाना भारत के दो प्रमुख ज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्रों को वैश्विक शिक्षा से जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने बेंगलुरु को दुनिया के पूर्वी हिस्से की नई सिलिकॉन वैली बताते हुए तीनों विश्वविद्यालयों का भारत में स्वागत किया।

गर्भवती महिलाओं तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में ऐतिहासिक सुधार : नड्डा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु के लक्ष्य को लेकर शुरू किया गया प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) मंगलवार को अपनी सफल यात्रा के 10 वर्ष पूरे कर गया। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने देशभर में 'पीएमएसएमए के 10 साल - देखभाल का एक दशक' अभियान की शुरुआत करते हुए 75 रुपये का स्मारक सिक्का और 5 रुपये का विशेष डाक टिकट जारी किया।

इस मौके पर जे पी नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप शुरू हुई यह पहल देश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित हुई है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत ने 1990 के बाद से मातृ मृत्यु दर में 86 प्रतिशत की कमी दर्ज की है, जो वैश्विक औसत 48 प्रतिशत से कहीं बेहतर है। वहीं पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में 79 प्रतिशत और नवजात मृत्यु दर में 70 प्रतिशत की कमी आई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6) के अनुसार संस्थागत प्रसव बढ़कर 90.6 प्रतिशत और प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) कवरेज 95.9 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने इसे स्वास्थ्य तंत्र की मजबूती और जागरूकता बढ़ने का परिणाम बताया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में पीएमएसएमए के तहत 7.5 करोड़ से अधिक प्रसव पूर्व जांचें की गई और करीब 1.2 करोड़ उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान कर समय रहते उपचार सुनिश्चित किया गया। उन्होंने कहा कि देशभर में 9,000 से अधिक निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता इस अभियान से जुड़े हैं, जिससे दूरदराज और आकांक्षी जिलों में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की पहुंच बढ़ी है। उन्होंने बताया कि 9 जून से देशभर में जागरूकता एवं आउटरीच गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, ताकि अधिक से अधिक गर्भवती महिलाएं पीएमएसएमए के तहत उपलब्ध नौ नि:शुल्क सेवाओं का लाभ उठा सकें।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति बानापुरा
जिला-नर्मदापुरम म.प्र.

क्र ./मंडी/निर्माण/26-27/255 बानापुरा, दिनाक 08.06.2026

:: निविदा आमंत्रण सूचना::

प्रमुख अभियंता म0 प्र0 लोकनिर्माण विभाग में उपयुक्त (केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारों से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदा क्रमांक 2026_MPSAM_514261_1 के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदायें दिनांक 30-06-2026 को शाम 5:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल https://mptenders.gov.in पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल https: //mpmandiboard.in पर भी अवलोकनीय होगी।

नोट:-आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति बानापुरा
जिला नर्मदापुरम

कार्यालय, प्राचार्य अग्रणी शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय नर्मदापुरम (म0प्र0)

फोन/फैक्स: 07574-254072 ईमेल: heghsgpgchos@mp.gov.in
महाविद्यालय कोड -3202 महाविद्यालय वि.वि. कोड -147
www.mp.gov.in/highereducation/hoshangabad NAAC Grade - B++

क्रमांक 1259 / स्था. / 2026 नर्मदापुरम, दिनाँक /06/06/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय नर्मदापुरम में सामग्री क्रय किये जाने हेतु एम.पी.ई. टेंडर पोर्टल पर निविदा जारी की गई है निविदा में भाग लेने हेतु एम.पी.ई. टेंडर पर दर्शित प्रक्रिया अनुसार निविदा में भाग लिया जा सकता है।

1.	Start Date -	06.06.2026
2.	End Date -	20.06.2026

प्राचार्य
शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय
नर्मदापुरम (म0प्र0)

रिकॉर्डः इस वर्ष श्रद्धालुओं, पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह

आदि कैलाश-ओम पर्वत यात्रा के लिए जारी हुए 36,776 इनर लाइन परमिट

पिथौरागढ़ ■ एजेंसी

सीमांत जनपद पिथौरागढ़ स्थित आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा को लेकर इस वर्ष देशभर के श्रद्धालुओं, पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। यात्रा के लिए जारी किए जा रहे इनर लाइन परमिट (आईएलपी) की संख्या ने पिछले वर्षों के सभी रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए हैं। अबतक 36,776 इनर लाइन परमिट जारी किए जा चुके हैं, जो यात्रा के प्रति बढ़ती आस्था और आकर्षण को दर्शाता है।

देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पर्यटक, ट्रेकर और प्रकृति प्रेमी पिथौरागढ़ पहुंचकर आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा यात्रा प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाओं और परमिट प्रक्रिया को सरल बनाते हुए बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आदि कैलाश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में वर्ष 2023 में नरेन्द्र मोदी के जोलिंगकोंग स्थित आदि कैलाश भ्रमण तथा वर्ष 2024 में पुष्कर सिंह धामी द्वारा आयोजित योग कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं, वर्ष 2025 में आयोजित आदि कैलाश अल्ट्रा मैराथन ने भी इस क्षेत्र को व्यापक पहचान दिलाई है। वर्ष 2025 में पूरे यात्रा सत्र के दौरान कुल 36,526 इनर लाइन परमिट जारी किए गए थे, जबकि इस वर्ष यात्रा शुरू होने के महज 39 दिनों के भीतर ही यह आंकड़ा पार हो गया है।

जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने कहा कि यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष पूरे यात्रा सत्र में लगभग 36,600 श्रद्धालुओं ने यात्रा की थी, जबकि इस वर्ष मात्र 39 दिनों में ही 36,700 से अधिक इनर लाइन परमिट जारी हो चुके हैं। यह पिछले सभी रिकॉर्ड को पार करने वाली उपलब्धि है।

संक्षिप्त समाचार

आज अपेक्स बैंक प्रशासक महेंद्र सिंह यादव का नर्मदापुरम आगमन

नर्मदापुरम। अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव बुधवार को सुबह 10 :30 बजे नर्मदापुरम पहुंचेंगे। अपने प्रवास के दौरान वे जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की संभागीय बैठक लेंगे, जिसमें सहकारी बैंकिंग व्यवस्था, योजनाओं की प्रगति तथा विभिन्न प्रशासनिक एवं वित्तीय विषयों पर चर्चा की जाएगी। बैठक के पश्चात श्री यादव नर्मदापुरम स्थित सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों से भेंट करेंगे। इस दौरान सहकारिता, कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। महेंद्र सिंह यादव के इस दौरे को सहकारिता क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे बैंकिंग सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और सहकारी संस्थाओं के बेहतर संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त होंगे।

बनखेड़ी जनपद सीईओ ने किया तिंदवाडा पंचायत का औचक निरीक्षण

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम हिमांशु जैन के निर्देशानुसार बनखेड़ी जनपद पंचायत की मुख?य कार्यपालन अधिकारी रीना कुमारीया द्वारा ग्राम पंचायत तिंदवाडा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने गांव में चल रहे प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद ग्रामीणों से संवाद कर योजनाओं के क्रियान्वयन और जमीनी स्थिति की जानकारी ली। तथा ग्राम पंचायत की नालियों की सफाई, गावों की स्वच्छता, पेयजल की स्थिति, वृक्षारोपण एवं निर्माण कार्यो को गुणवत्तापूर्ण समय-सीमा में पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये।

उद्यानिकी विभाग के दल ने किया पपीता फसल का निरीक्षण

नर्मदापुरम। कृषक धर्मपाल जाट द्वारा जनसुनवाई में पपीता फसल में फलन न होने की शिकायत पर उद्यानिकी विभाग के दल ने खेत का निरीक्षण किया। शिकायतकर्ता धर्मपाल जाट ग्राम धमनिया नयाबोरी, तहसील माखननगर के निवासी हैं। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर गठित दल ने ग्राम धमनिया नयाबोरी स्थित खेत का मौका मुआयना किया। दल में कृषि विज्ञान केन्द्र गोविन्दनगर के वैज्ञानिक डॉ. रंजीत सिंह, कृषि महाविद्यालय पवारखेड़ा के डॉ. आशीष शर्मा, उप संचालक उद्यान मति रीता उईके, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी मति रूकमणी मरावी एवं ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी राजेश आठनेरे शामिल थे। निरीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि कृषक के खेत में लगभग 12 एकड़ में पपीता की फसल लगी है। पौधे करीब 1 वर्ष पुराने हैं और सभी पौधों में फलन हुआ है। कृषक के अनुसार सभी पौधे रेडलेडी किस्म के हैं। वर्तमान में खेत में उचित प्रबंधन नहीं दिखा। दल में शामिल वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने कृषक धर्मपाल जाट को पपीता फसल के बेहतर उत्पादन के लिए खेत का उचित प्रबंधन करने हेतु तकनीकी एवं वैज्ञानिक सलाह दी। उल्लेखनीय है कि कृषक ने जनसुनवाई में आवेदन देकर पपीता में फलन न होने की बात कही थी, जिसके बाद कलेक्टर मिश्रा ने तत्काल जांच दल गठित करने के निर्देश दिए थे।

सालों पुराने भूमि विवाद का जनसुनवाई में हुआ निराकरण

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने किया जनसुनवाई में 186 आवेदकों की समस्याओं का समाधान

मिठाई लेकर कलेक्टर का आभार व्यक्त करने पहुंचे वृद्ध

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में जिलेभर से पहुंचे 186 आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके निराकरण की कार्यवाही की गई। जनसुनवाई के दौरान एक भावुक क्षण तब देखने को मिला, जब एक वृद्ध आवेदक अपनी समस्या लेकर नहीं बल्कि अपनी समस्या के समाधान पर जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करने पुष्पगुच्छ एवं मिठाई लेकर पहुंचे। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। कई मामलों का निराकरण मौके पर ही किया गया। कलेक्टर श्री मिश्रा के नेतृत्व में जिला स्तर पर आयोजित जनसुनवाई के माध्यम से नागरिक सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं संवेदनशील बनाने हेतु निरंतर कार्यवाही की जा रही है।

जनसुनवाई के दौरान एक आवेदक ऐसा भी पहुंचा जो शिकायत देने नहीं अपितु अपनी शिकायत का शीघ्र निराकरण होने पर कलेक्टर मिश्रा एवं एसडीएम इटारसी को धन्यवाद देने पहुंचा। वर्षों पुराने भूमि विवाद के एक प्रकरण का सफल निराकरण होने पर वृद्ध आवेदक शोभाराम यादव कलेक्टर सोमेश मिश्रा का आभार व्यक्त करने पहुंचे। यादव ने पुष्पगुच्छ एवं मिठाई भेंट कर जिला प्रशासन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर कलेक्टर मिश्रा ने पुष्पगुच्छ ना लेते हुए कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना प्रशासन का दायित्व है। उन्होंने प्रकरण के प्रभावी एवं संवेदनशील निराकरण के लिए इटारसी एसडीएम निलेश शर्मा की प्रशंसा भी की। उल्लेखनीय है कि शोभाराम यादव द्वारा पूर्व में जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया था कि उनके पिता की मृत्यु के उपरांत उनकी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन द्वारा प्रकरण की सुनवाई एवं परीक्षण कराया गया। इसके पश्चात न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व इटारसी द्वारा निर्णय पारित करते हुए प्रकरण का निराकरण किया गया।

जनसुनवाई के दौरान श्रीमती नीति वर्मा ने संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि उपलब्ध कराए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर मिश्रा ने श्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि आवेदिका को योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाए। इसी प्रकार निमसाड़िया निवासी कृषकों द्वारा तवा नदी के किनारे स्थित कृषि भूमि के लगातार हो रहे कटाव को रोकने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर मिश्रा ने जनपद पंचायत नर्मदापुरम के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को मामले की जांच कर समस्या का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नर्मदापुरम निवासी अर्जुन अहिरवार द्वारा बंद नल कनेक्शन का बिल वसूले जाने एवं नया चालू कनेक्शन उपलब्ध कराए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिस पर कलेक्टर ने नगर पालिका सीएमओ को शीघ्र जल आपूर्ति समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। इटारसी निवासी प्रेम सिंह राजपूत द्वारा साफ-सफाई एवं पानी निकासी की समुचित व्यवस्था किए जाने संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदक की समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इसी प्रकार नर्मदापुरम निवासी रामसेवक यादव द्वारा आवारा स्ट्रीट डॉग्स को पकड़वाकर उनका वैक्सीनेशन कराने एवं शेल्टर होम भेजे जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया।

बुजुर्ग पिता को इंसाफ दिलाकर कलेक्टर ने दिलवाया स्वयं के मकान का कब्जा

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की संवेदनशीलता के कारण एक 70 वर्षीय बुजुर्ग पिता को उनके स्वयं के मकान का पुन: कब्जा प्राप्त हुआ। प्रशासन की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से वर्षों से परेशान वृद्ध दम्पत्ति को राहत मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर इटारसी स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी सत्यनारायण सोनी आत्मज रामगोपाल सोनी ने अपनी स्वयं की आय से भूखंड क्रय कर मकान का निर्माण कराया था। उन्होंने मकान के एक हिस्से में रहने के लिए अपने पुत्र अनिल सोनी एवं पुत्रवधु सविता सोनी को रहने की अनुमति दी थी।

समय बीतने के साथ पुत्र एवं पुत्रवधु द्वारा वृद्ध दम्पत्ति को ही मकान से बेदखल कर दिया गया। परेशान होकर बुजुर्ग दम्पत्ति ने माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 के अंतर्गत एसडीएम इटारसी न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया। प्रकरण में एसडीएम न्यायालय से संतोषजनक न्याय नहीं मिलने पर बुजुर्ग दम्पत्ति ने कलेक्टर न्यायालय में अपील प्रस्तुत की। मामले की सुनवाई उपरांत कलेक्टर न्यायालय द्वारा 70 वर्षीय सत्यनारायण सोनी के पक्ष में आदेश पारित करते हुए एसडीएम इटारसी को निर्देशित किया गया कि अनिल सोनी एवं उनके परिवार को मकान से बेदखल कर वृद्ध दम्पत्ति को मकान का कब्जा दिलाया जाए।

इसके बावजूद आदेश का पालन नहीं होने पर सत्यनारायण सोनी एवं उनकी पत्नी ने पुन: कलेक्टर सोमेश मिश्रा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्या से अवगत कराया। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर मिश्रा ने तत्काल एसडीएम इटारसी को आवश्यक कार्रवाई कर वृद्ध दम्पत्ति को मकान का अधिपत्य दिलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशों के पालन में 27 मई 2026 को एसडीएम इटारसी द्वारा पुलिस एवं प्रशासनिक अमले की उपस्थिति में कार्रवाई करते हुए अनिल सोनी एवं उनके परिवार को मकान से बेदखल कर 70 वर्षीय सत्यनारायण सोनी को उनके मकान का विधिवत कब्जा दिलाया गया।

एसडीएम कार्यालय में मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन किया गया

जनसुनवाई में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र से 20 शिकायत आवेदन आए

सिवनी मालवा ■ निसं

प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रति मंगलवार जनसुनवाई का आयोजन एसडीएम कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई किया गया। इसमें नगर और ग्रामीण क्षेत्रों से कुल 20 शिकायती आवेदन देकर समस्याओं के निराकरण हेतु दिए गये। जनसुनवाई का में एक व्यक्ति ने आकर अपनी समस्या का समाधान होने पर एसडीएम विजय राय को धन्यवाद देकर मिठाई देने पहुंचा।

सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चली इस जनसुनवाई में एसडीएम विजय राय को विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें सौंपी गई। प्राप्त आवेदनों में राजस्व विभाग के 13, नगर पालिका के 2, पुलिस विभाग के 2, पीडब्ल्यूडी विभाग का 1, आबकारी विभाग का 1 और जनपद पंचायत विभाग का 1 आवेदन शामिल था। एसडीएम ने सभी आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

एसडीएम विजय राय बोले- धन्यवाद की जरूरत नहीं है, यह हमारा काम: प्रद्युम यादव ने बताया कि उन्होंने गांव में सड़क नहीं बनने को लेकर शिकायत की थी। भिलाड़िया में 500 मीटर की एक सड़क थी जहां हमेशा कीचड़ भरा रहता था और आवागमन में परेशानी होती थी। उनकी शिकायत का निराकरण एक हफ्ते से भी कम समय में हो गया।

भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों का प्रशिक्षण एवं फील्ड भ्रमण सफलतापूर्वक संपन्न

नर्मदापुरम। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के 151वें लेवल-डी अंडर सेक्रेटरी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ अधिकारियों का प्रशिक्षण एवं फील्ड भ्रमण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। गत दिवस कलेक?टर कार्यालय नर्मदापुरम के रेवा कक्ष में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री हिमांशु जैन तथा जनपद पंचायत केसला की सीईओ श्रीमती सुमन खार्तरकर ने अधिकारियों को जिले में संचालित ग्रामीण विकास, कृषि, जल संरक्षण, आजीविका एवं सामाजिक कल्याण योजनाओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण के बाद अधिकारियों के दल ने भरगदा, जमानी, तीखड़, बाबईखुर्द, केसला एवं मोरपानी सहित कई गांवों का भ्रमण किया।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय नर्मदापुरम में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतें सुनी गईं। जनसुनवाई के दौरान कुल 20 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें मुख्य रूप से चोरी, वित्तीय धोखाधड़ी, मारपीट एवं महिला संबंधी प्रकरण शामिल थे।

पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं थाना प्रभारियों को मौके पर ही त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करना, पुलिस-जन संवाद को मजबूत बनाना, नागरिकों को न्याय दिलाना तथा पुलिस प्रशासन में विश्वास बनाए रखना पुलिस विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनसुनवाई कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय नर्मदापुरम में नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिसमें जिलेभर से आए नागरिक अपनी समस्याओं का प्रत्यक्ष निराकरण पा सकते हैं।

नर्मदापुरम के केसला ब्लॉक में भूकंप के झटके

3.8 मैग्नीट्यूड तीव्रता मापी, डरे लोग; जनपद सदस्य बोले- अचानक सब हिलने लगा

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम के केसला ब्लॉक के ग्राम चिचवानी, छीतापुरा में सोमवार रात को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.8 मैग्नीट्यूड मापी गई। झटके महसूस होते ही कुछ ग्रामीण लोग डर गए। हालांकि अब तक किसी जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। मौसम केंद्र भोपाल और NCS की वेबसाइड पर भूकंप के झटके की जानकारी अपडेट हुई है।

रात 9.38 बजे आएं थे झटके: 8 जून 2026 रात 09:39 बजे (IST) रिक्टर स्केल पर 3.8 मापी की तीव्रता दर्ज की गई। केंद्र बिंदु: अक्षांश 22.367° N, देशांतर 77.688° Eगहराई: जमीन के अंदर 10किमी है।

छत सो रहा था, अचानक से कंपन हुआ: ग्राम चिचवानी से 2 किमी दूर स्थित छीतापुरा में भी झटके महसूस हुए। जनपद पंचायत सदस्य संतोष सल्लाम ने बताया रात करीब 9.30 बजे के आसपास जब में छत पर सो रहा था, तब कुछ पलभर के लिए कंपन हुआ। ऐसा लगा मानो घर हिल गया है लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ।

जिले की सहकारी सोसाइटीज में किया गया खाद का भंडारण

नर्मदापुरम। उपायुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम ने बताया कि जिले में खरीफ सीजन से पहले खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 99 पैक्स में पर्याप्त अग्रिम भंडारण कराया गया है। प्रमुख सचिव सहकारिता डी पी आहूजा द्वारा अप्रैल से सहकारिता विभाग, अपेक्स बैंक, मार्कफेड के मुख्यालय व जिला अधिकारियों के साथ पाक्षिक समीक्षा बैठकें की गईं। बैठक में बैंक को वसूली लक्ष्य देकर मार्कफेड की देनदारियों के भुगतान और मार्कफेड को बैंक की पुरानी उपार्जन देनदारियों के भुगतान के निर्देश दिए गए। निर्देशों के बाद बैंक ने किसानों से संपर्क और गेहूं लिंकिंग से वसूली कर अप्रैल से अब तक 112 करोड़ रुपये का भुगतान किया।

बाईपास रोड पर पेड़ों की कटाई से लोगों में नाराजगी, पर्यावरण प्रेमियों ने जताई चिंता

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के बाईपास रोड पर इन दिनों पेड़ों की लगातार कटाई किए जाने को लेकर शहरवासियों में नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली विभाग द्वारा विद्युत लाइनों के रखरखाव के नाम पर बड़ी संख्या में पेड़ों की शाखाओं और कुछ स्थानों पर पेड़ों की कटाई की जा रही है, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है।

शहरवासियों ने बताया कि वर्षों पुराने हरे-भरे पेड़ नगर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ गर्मी के मौसम में छाया और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। ऐसे में उनकी अंधाधुंध कटाई चिंता का विषय है।

शहरवासियों ने बताया कि वर्षों पुराने हरे-भरे पेड़ नगर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ गर्मी के मौसम में छाया और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। ऐसे में उनकी अंधाधुंध कटाई चिंता का विषय है। लोगों ने यह भी याद दिलाया कि तत्कालीन वन मंत्री सरताज सिंह द्वारा लाखों रुपये खर्च कर बाईपास मार्ग पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कराया गया था, जिसके सकारात्मक परिणाम आज भी दिखाई देते हैं। शहरवासी उनके इस प्रयास को सफल मानते हैं और कहते हैं कि इन्हीं पेड़ों ने वर्षों से क्षेत्र को हरियाली और पर्यावरणीय संतुलन प्रदान किया है।

पर्यावरण प्रेमी चंद्रशेखर बाथव ने कहा कि पेड़ों की कटाई किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। उन्होंने बताया कि यदि विद्युत लाइनों में पेड़ों की शाखाएं बाधा बन रही हैं तो केवल आवश्यक शाखाओं की छंटाई कर कार्य किया जा सकता है। पूरे पेड़ या अत्यधिक शाखाओं की कटाई से पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होता है और हरित आवरण कम होता है।

उन्होंने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि पेड़ों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए वैज्ञानिक तरीके से छंटाई की जाए तथा अनावश्यक कटाई पर रोक लगाई जाए।

सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 साल पूरे

हर माह 9 तारीख को गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क जांच

इटारसी ■ निसं

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) ने 9 जून को अपने 10 सफल वर्ष पूरे कर लिए हैं। वर्ष 2016 में शुरू हुई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देना है। इस अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9 तारीख को सरकारी अस्पतालों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की जाती है।

अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सिविल अस्पताल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कमलेश कुमरे की अध्यक्षता में केक काटकर अभियान की उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को नियमित प्रसवपूर्व जांच, संतुलित पोषण, सुरक्षित प्रसव और मातृ स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी गर्भवती महिलाओं को नि:शुल्क भोजन भी वितरित किया गया।

शहर का स्वरूप बदल रहा है : मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, विधायक डॉ सीताशरण शर्मा

14 करोड़ से अधिक की राशि के विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

हमारी कोशिश है कि शहर का सर्वाग्रीण विकास हो। नगर के चौक चौराहों का चौड़ीकरण हो रहा है। मीनाक्षी चौक, एनएमवी कालेज तिराहा और भोपाल तिराहे का एक स्वरूप आ रहा है। यह बात आज मीनाक्षी चौक पर आयोजित विभिन्न वार्डों में 14 करोड़ की लागत से होने वाले निर्माण कार्य के भूमि पूजन और लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ सीताशरण शर्मा ने कहीं।

उन्होंने कहा कि सब्जी मंडी रिनोवेशन तीन करोड़ 58 लाख की राशि से हो रहा है। पहले यहां असामाजिक कार्य होते थे, ऐसे लोगों को हमने जिला बदर करवा दिया गया है। ठेकेदारों के कार्यों पर भी नजर रखनी होगी। जिससे वे ठीक ढंग से कार्य करें। हम लोग तो कार्य करते हैं चाहे मैं हूं या चाहे अध्यक्ष जी, चाहे सांसद जी हों। राशि लाने वाले (महेंद्र) यादव जी हैं। दूसरा सबसे बड़ा कार्य है वह ट्रेंचिंग ग्राउंड का है। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर कार्य हो रहा है यह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि इटारसी में इतनी बड़े नाले नालियां नहीं है जितने बड़े नाले नालियां नर्मदापुरम हैं। इन सभी का कार्य भी

बड़े स्तर पर हो रहा है। पटवारी कालोनी हो, चाहे नारायण नगर के नाले हों सभी का कार्य चल रहा है। राशि की कोई कमी नहीं है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि हमें हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाना होगा। उन्होंने मालवा का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां हजार फिट पर भी पानी नहीं है। हमें इस पर कार्य करना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 9 संकल्पों को याद दिलाया। साथ ही उन्होंने नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और उनकी परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों की तारीफ की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने कहा कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से गरीब से गरीब लाभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व में लाड़ली बहनाओं, लाड़ली लक्ष्मी सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से लाभ मिल रहा है। यहां हाट बाजार बनेगा जिसमें महिलाएं व्यवसाय करेंगी। यहां सब्जी मंडी का जिक्र हो रहा है। एक ही स्थान पर सब्जी बाजार होगा तो नगर में सड़कों से जाम से निजात मिल जाएगी। कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने कहा कि आप सभी के मार्गदर्शन में नगर अनेक कार्य हो रहे हैं। उन्होंने उनकी परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, और इंजीनियर्स द्वारा किया गया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी. गोयल। मो. 9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन - MP/HSD04/2026-2028 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।